संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 184
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
भोपाल,सोमवार 05 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

भाजपा ने कर्नाटक पुलिस प्रमुख से फॉर्म-7 जमा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई रोकने को कहा

बेंगलुरु।(एजेंसी)

वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने शनिवार को राज्य के पुलिस प्रमुख से विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के दौरान फॉर्म-7 जमा करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई रोकने की मांग की।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार द्वारा गुरुवार को बेंगलुरु स्थित निर्वाचन आयोग के कार्यालय के बाहर फॉर्म-7 के मुद्दे पर प्रदर्शन किए जाने के बाद पुलिस विभाग भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी तथा पार्टी के सांसदों और विधायकों ने पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक (DG&IGP) से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।अशोक ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने पार्टी के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने के लिए पुलिस पर दबाव

जयशंकर ने दिल्ली में अमेरिकी प्रशांत कमांडर पापारो से मुलाकात की, सुरक्षा और समुद्री सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली।(एजेंसी)

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में अमेरिका के प्रशांत कमांडर एडमिरल सैमुअल जे. पापारो से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने सुरक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाने और समुद्री सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

बैठक में भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद थे। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''अमेरिकी प्रशांत कमांडर एडमिरल सैमुअल जे. पापारो से मिलकर खुशी हुई। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारी सुरक्षा साझेदारी और समुद्री सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।''

एडमिरल सैमुअल जे. पापारो शनिवार को दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से छह दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने एडमिरल पापारो का गर्मजोशी से स्वागत किया।

अपनी यात्रा के दौरान एडमिरल पापारो भारतीय समकक्षों के साथ साझा सुरक्षा प्राथमिकताओं पर बातचीत करेंगे। इनमें डिजिटल परिवर्तन और उभरती प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल, क्षेत्रीय रणनीतिक स्थिरता बनाए रखना, रक्षा क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा और लचीलापन मजबूत करना तथा लगातार प्रतिस्पर्धी होते तकनीकी परिदृश्य से निपटना शामिल है।

भारत में अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा, ''उभरती प्रौद्योगिकी से लेकर समुद्री सुरक्षा तक, अमेरिका और भारत भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सक्षम रक्षा साझेदारी का निर्माण कर रहे हैं।''

बयान में कहा गया कि एडमिरल पापारो की यात्रा प्रमुख रक्षा साझेदारी की मजबूती को रेखांकित करती है और हिंद महासागर क्षेत्र में अमेरिका की दीर्घकालिक मौजूदगी एवं हितों की फिर से पुष्टि करती है।

इससे पहले 28 सितंबर को थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ और अमेरिकी सेना प्रशांत के उप कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल बी.

'सच्चाई हमारा सबसे बड़ा हथियार': राहुल गांधी ने 'सत्याग्रह' डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

नई दिल्ली।(एजेंसी)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि देश में सच्चाई को दबाया जा रहा है और इसे रोकना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने देशभर में विभिन्न मुद्दों को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों को एकजुट करने के उद्देश्य से 'सत्याग्रह' डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।

राहुल गांधी ने लोगों से सरकार के खिलाफ अपने विरोध और संघर्ष को 'सत्याग्रह' प्लेटफॉर्म पर दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के एक दिन बाद यह मंच शुरू किया। इसका उद्देश्य उन लोगों की मदद करना है, जहां भी सच्चाई को दबाया जा रहा है।



उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, देशभर में लोग अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। जेन जी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं—हर संघर्ष की अपनी कहानी है। लेकिन अकेली आवाज को दबाना अक्सर आसान होता है।

उन्होंने कहा, 'सत्याग्रह' इन आवाजों को एक नक्शे पर एक साथ लाने की पहल है।

महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा, बापू ने हमें सिखाया कि सच्चाई हमारा सबसे बड़ा हथियार है। लेकिन सच्चाई के साथ एकजुट होकर खड़ा होना उससे भी बड़ा हथियार है। अगर आप भी किसी अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं तो अपनी कहानी साझा करें। इसमें केवल दो मिनट लगेंगे।

गांधी ने कहा कि लोगों के विरोध को 'सत्याग्रह' के नक्शे पर जगह मिलेगी। उन्होंने कहा, आप देखेंगे कि आपके जैसे और कौन लोग अपनी-अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं।उन्होंने कहा, और मैं संसद में, सड़कों पर, पत्रों के माध्यम से या जहां भी मेरी जरूरत होगी, हर संभव तरीके से आपके साथ खड़ा रहूंगा। विपक्ष के नेता के रूप में यह मेरी जिम्मेदारी है। मुझे अपनी सत्याग्रह की कहानी बताएं।

इसके साथ जारी एक वीडियो में रायबरेली के सांसद ने कहा, जैसा कि आप सभी जानते हैं, पूरे देश में सच्चाई को दबाया जा रहा है और कई जगह विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में जमीन, महिलाओं के अधिकार, दलित अधिकार, ओबीसी अधिकार, शिक्षा और परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन हो रहे हैं।

गांधी ने कहा, हम इन विरोध-प्रदर्शनों को व्यवस्थित करने, उन्हें एक नक्शे पर एक साथ लाने और आपके साथ मिलकर यह देखने में मदद करना चाहते हैं कि जिस मुद्दे के लिए आप लड़ रहे हैं, उसके समाधान में हम किस तरह सहयोग कर सकते हैं। 'सत्याग्रह' वेबसाइट देखें, फॉर्म भरें और अपने आंदोलन को वेबसाइट पर दर्ज करें। हम यह देखने की कोशिश करेंगे कि किस तरह आपका समर्थन किया जा सकता है। हम आपसे संपर्क करेंगे।

उन्होंने वीडियो संदेश में कहा, विपक्ष के नेता के रूप में मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि जहां सच्चाई को दबाया जा रहा है, वहां लोगों को संघर्ष करने में मदद करूं। सच्चाई महत्वपूर्ण है। यह सर्वोच्च स्तर पर भी महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भी जरूरी है कि हम देश के हर कोने में इसके लिए लड़ें।देर शाम गांधी ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि 'सत्याग्रह' शुरू हुए नौ घंटे ही हुए हैं और तब तक 10,000 से अधिक लोग और समूह सामने आ चुके हैं।

उन्होंने कहा, यह बताता है कि भारतीय पहले से कितने संघर्ष लड़ रहे हैं—चुपचाप और इस विश्वास के साथ कि कोई उनकी बात नहीं सुन रहा।

गांधी ने कहा कि कांग्रेस उनकी बात सुन रही है। उन्होंने पोस्ट में कहा, हम सुन रहे हैं। हर आवेदन को पढ़ा जाएगा। अभी से शिक्षा, भ्रष्टाचार, सामाजिक न्याय, किसान, श्रम, स्वास्थ्य, महिलाओं की सुरक्षा, जमीन और पर्यावरण जैसे विषयों से जुड़ी कहानियां सामने आ रही हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी टीम हर शिकायत की समीक्षा करेगी, यह पता लगाएगी कि किस तरह मदद की जा सकती है और जहां अधिक जानकारी की जरूरत होगी, वहां संपर्क किया जाएगा।

गांधी ने कहा, जहां किसी वास्तविक संघर्ष को समाधान के लिए आवाज उठाने और व्यापक समर्थन की जरूरत होगी, हम ऐसा करेंगे।उन्होंने कहा, यह केवल शुरुआत है। 'सत्याग्रह' एक दिन का अभियान नहीं है। यह वर्षों तक चलेगा और हर छोटे-बड़े आंदोलन के साथ खड़ा रहेगा।

'चिंता का विषय': पाकिस्तान-चीन के लड़ाकू विमान सहयोग पर वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली।(एजेंसी)

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि तेजस सहित नए लड़ाकू विमानों को वायुसेना में शामिल करने में हो रही अत्यधिक देरी भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के लिए नुकसानदेह साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या लगातार घट रही है, जब सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में हवाई शक्ति की भूमिका तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है।

94वें वायुसेना दिवस से पहले आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा कि मौजूदा कमी को दूर करने के लिए अगले कुछ वर्षों तक हर साल कम से कम 36 से 40 लड़ाकू विमानों को वायुसेना में शामिल करने की जरूरत है।



उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वदेशी रूप से निर्मित तेजस मार्क-1ए और बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान (एमआरएफए) कार्यक्रम के तहत खरीदे जाने वाले राफेल लड़ाकू विमानों के शामिल होने से स्थिति में सुधार होगा।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने पाकिस्तान द्वारा चीन के साथ मिलकर पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकसित करने को लेकर भी चिंता जताई।

उन्होंने कहा, यह चिंता का विषय है। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा, हमारे पास क्षमताएं हैं। ऐसा नहीं है कि कोई एक प्लेटफॉर्म इतना मायने रखता है।

वायुसेना की युद्धक क्षमता बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो इसी वित्त वर्ष में एमआरएफए सौदे को अंतिम रूप दे दिया जाए।

भारत ने अब तक के सबसे बड़े रक्षा खरीद अभियानों में से एक के तहत इस साल फरवरी में फ्रांस के साथ सरकार-से-सरकार व्यवस्था के तहत 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लंबे समय से लंबित प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

पंजाब की नई नशामुक्ति योजना में मानसिक स्वास्थ्य और दीर्घकालिक पुनर्वास पर जोर

पंजाब।(एजेंसी)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को नशे की लत से जूझ रहे लोगों के लिए मनोसामाजिक देखभाल को



मजबूत करने के उद्देश्य से तीन सीमावर्ती जिलों में एक पायलट परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी। राज्य सरकार चिकित्सा उपचार के साथ-साथ परामर्श, पुनर्वास और दोबारा नशे की लत से बचाव पर भी जोर देना चाहती है।

यह पहल अमृतसर, तरनतारन और फाजिल्का जिलों में शुरू की जाएगी। इन जिलों में पहले से चल रहे बाह्य रोगी ओपिओइड-सहायता उपचार क्लीनिकों में उपलब्ध चिकित्सा उपचार के साथ यह कार्यक्रम संचालित होगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कार्यक्रम में गुरदासपुर और कपूरथला की जेलों को भी शामिल किया जाएगा।

यह निर्णय शुक्रवार को भगवंत मान और आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के एक प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठक में लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मान ने कहा कि प्रस्तावित कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग आधारित आध्यात्मिक स्वास्थ्य घटक शामिल किया जाएगा।

भारत और कनाडा के बीच व्यापार समझौते पर पांचवें दौर की वार्ता शुरू होगी, दोनों पक्षों का साल के अंत तक समझौते का लक्ष्य

नई दिल्ली।(एजेंसी)

भारत और कनाडा के बीच प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) को लेकर पांचवें दौर की वार्ता 5 अक्टूबर से ओटावा में शुरू होगी। दोनों देशों का लक्ष्य इस साल के अंत तक वार्ता पूरी कर समझौते को अंतिम रूप देना है। यह जानकारी एक अधिकारी के हवाले से पीटीआई की रिपोर्ट में दी गई है।

वार्ता का पांच दिवसीय दौर 9 अक्टूबर तक चलने की उम्मीद है। इससे पहले चौथे दौर की वार्ता 18 सितंबर को नई दिल्ली में संपन्न हुई थी।

पीटीआई के अनुसार, दोनों देश कैलेंडर वर्ष के अंत तक बातचीत पूरी करने के प्रयास में हैं और इसी वजह से वार्ता में तेजी आई है। इस वार्ता का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पिछले महीने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिसंबर के आसपास कनाडा की यात्रा करने की उम्मीद है।

वार्ता को और गति देने के लिए कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू इस महीने के अंत में 300 सदस्यीय



कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली का दौरा करेंगे। सिद्धू और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले महीने मुंबई में मुलाकात कर वार्ता की प्रगति की समीक्षा की थी।

ओवैसी ने दी चेतावनी: मुसलमानों के खिलाफ फॉर्म 7 के दुरुपयोग पर हैदराबाद में 'जंतर-मंतर 2.0' का ऐलान

हैदराबाद में एक इस्लामिक धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि यदि 'झूठे' फॉर्म-7 आवेदन दाखिल किए जा रहे हैं तो निर्वाचन आयोग को संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

नई दिल्ली।(एजेंसी)

एआईएमआईएम प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग को लेकर हैदराबाद में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

शनिवार, 3 अक्टूबर को शहर के मिलाद मैदान में एक इस्लामिक धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि यदि झूठे फॉर्म-7 आवेदन दाखिल किए जा रहे हैं तो निर्वाचन आयोग को संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि यदि केवल धर्म के आधार पर वास्तविक मुस्लिम मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए तो हैदराबाद में इस साल की शुरुआत में दिल्ली में हुए प्रदर्शनों से भी बड़े प्रदर्शन हो सकते हैं.

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक ओवैसी ने कहा, अगर फर्जी फॉर्म-7 दाखिल किए जा रहे हैं, तो हम निर्वाचन आयोग से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ



कार्रवाई करने की अपील करते हैं। अगर यह ड्रामा नहीं रुका तो याद रखिए, दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों से भी बड़े प्रदर्शन हैदराबाद की सड़कों पर होंगे और इससे आपके लिए काफी परेशानी पैदा होगी। एआईएमआईएम चुप नहीं बैठेगी।

क्या है फॉर्म-7 ?

फॉर्म-7 मौजूदा मतदाता सूची में किसी नाम को शामिल करने या हटाने के प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला आवेदन पत्र है।ओवैसी ने आरोप लगाया कि भाजपा और व्यापक संघ परिवार अंतिम मतदाता सूची से बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 आवेदनों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, फॉर्म-7 के मुद्रित आवेदन जमा किए जा रहे हैं, जिनमें उस व्यक्ति का नाम तो दिया गया है जिसका नाम हटाया जाना है, लेकिन फॉर्म दाखिल करने वाले व्यक्ति का नाम और विवरण नहीं दिया जा रहा है। अगर ऐसा हो रहा है तो यह पूरी तरह गलत है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय SING Forum 2026 में शामिल होने सिंगापुर पहुंचे

छत्तीसगढ़।(एजेंसी)

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शनिवार को राज्य में निवेश के नए अवसरों का विस्तार करने और वैश्विक पूंजी आकर्षित करने के उद्देश्य से सिंगापुर पहुंचे। उनके सिंगापुर पहुंचने पर भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने उनका आधिकारिक रूप से स्वागत किया।

यह दौरा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की ओर से किए गए नामांकन के बाद हो रहा है। मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ को पहली बार आयोजित होने वाले SING Forum 2026 में भाग लेने के लिए नामित किया है।

सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित यह उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय मंच राज्य को वैश्विक निवेशकों के समक्ष अपनी आर्थिक उपलब्धियों, विकास की संभावनाओं और कारोबारी अनुकूल माहौल को प्रस्तुत करने का अवसर देगा।

मुख्यमंत्री साय इस फोरम में छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। उनके कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सीईओ राउंडटेबल होगा, जिसमें वह सिंगापुर के शीर्ष उद्योगपतियों, कंपनियों के प्रतिनिधियों और संस्थागत निवेशकों के साथ सीधे संवाद करेंगे। इस संवाद में छत्तीसगढ़ में विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश के अवसरों और अंतरराष्ट्रीय निवेश



साझेदारियों की संभावनाओं पर चर्चा होगी।मुख्यमंत्री साय ने अपनी सरकार के विजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को भारत के प्रमुख निवेश गंतव्यों में शामिल करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

नाबालिग लड़की को अगवा कर चार युवकों ने किया गैंगरेप, मामला निपटाने को दिया ऑफर

बुलंदशहर में एक नाबालिग लड़की को अगवा कर चार युवकों ने गैंगरेप किया। इसके बाद लड़की किसी तरह घर पहुंची और मां को सारी जानकारी दी। आरोपियों ने मामला निपटाने को उन्हें एक ऑफर दिया। पीड़िता की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है।

बुलंदशहर/औरंगाबाद (एजेंसी)।

यूपी में बुलंदशहर के औरंगाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में शर्मनाक वारदात सामने आई है। सातवीं कक्षा की छात्रा को गांव के चार युवकों ने कार में डालकर अगवा कर लिया और उसके साथ गैंगरेप किया। थाने पर सुनवाई न होने पर पीड़िता की मां एसएसपी कार्यालय पहुंची और शिकायत पत्र दिया। एसएसपी ने जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय बेटी इंटर कालेज में कक्षा सातवीं की छात्रा है। 28 सितंबर की सुबह बेटी देवताओं को जल चढ़ाने के लिए गई हुई थी। वहां गांव का एक युवक कार से पहुंचा और बेटी को कार में खींचकर डालने का प्रयास किया। बेटी, आरोपी को धकियाते हुए वहां से बच निकली। देर शाम बेटी घेर से घर आ रही थी। रास्ते में कार सवार चार युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया और उसे कार में डालकर ले गए।

आरोप है कि चारों युवकों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोप है कि मामला निपटाने के लिए आरोपी पक्ष द्वारा दो लाख रुपये देने का प्रयास किया गया। दो अक्टूबर को पीड़िता की मां ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। शनिवार को पीड़िता अपनी मां के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंची। इंस्पेक्टर का कहना है कि दोनों पक्षों में आपसी विवाद है। मामले की जांच की जा रही है।

चलती बस में महिला से चार युवकों ने की छेड़छाड़, कपड़े फाड़ने का आरोप

नोएडा से बुलंदशहर के खानपुर में रिश्तेदारी में आ रही महिला के साथ चलती बस में चार युवकों ने छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें की। महिला ने विरोध किया तो आरोप है कि आरोपी युवकों ने उसके कपड़े फाड़ने का प्रयास किया। महिला के साथ हो रही घटना पर जब एक यात्री ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। बस में अफरातफरी मच गई। आरोपी बस से उतरकर फरार हो गए। वहीं बस चालक बस को सीधे खानपुर थाने ले आया। पीड़िता के अनुसार, वह नोएडा से बस में सवार होकर खानपुर आ रही थी। सीकरी गांव के पास बस में सवार चार युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगे। महिला ने विरोध किया तो आरोप है कि युवकों ने उसके साथ अभद्रता करते हुए कपड़े फाड़ दिए। बस में सवार तिमरपुर निवासी कुलदीप ने महिला के साथ हो रही हरकत का विरोध किया।

आरोप है कि इससे नाराज युवकों ने कुलदीप के साथ भी मारपीट शुरू कर दी। कुछ देर तक बस में हंगामे की स्थिति बनी रही। इस बीच चारों आरोपी बस से उतरकर फरार हो गए। यात्रियों के विरोध के बाद चालक ने बस को खानपुर थाने पहुंचाया। कार्यवाहक थाना प्रभारी दल सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है।

भू माफिया की अफसरों से सेटिंग, फर्जी रजिस्ट्री से हड़प रहे जमीन; बिहार में बड़ा सिंडिकेट

बिहार में जमीन माफिया और राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेटिंग से बड़ा सिंडिकेट चल रहा है। इस गठजोड़ से अंचलों में गरीब एवं कमजोर लोगों के साथ ही सरकारी जमीन की फर्जी तरीके से रजिस्ट्री कराई जा रही है।

बिहार (एजेंसी)।



बिहार के कई अंचलों में जमीन माफिया और राजस्व विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों के गठजोड़ का पता चला है। यह सिंडिकेट सरकारी जमीन के नकली और फर्जी कागजात तैयार कर पहले उनकी रजिस्ट्री कराते हैं। फिर राजस्व अंचल कर्मियों की मदद से उस जमीन का दाखिल-खारिज करा देते हैं। जमीन माफिया और अफसरों का गठजोड़ कमजोर और असहाय लोगों की जमीनें भी हड़प रहा है। इसकी जांच चल रही है। जांच एजेंसियां जल्द ही कोई बड़ा ऐक्शन ले सकती हैं।

मालूम हो कि संगठित भू माफिया की पड़ताल में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) सहित अन्य जांच एजेंसियों को इसकी जानकारी मिली है। जांच में जमुई के सिकंदरा, पटना के बख्तियारपुर, खुसरूपुर एवं नौबतपुर, मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी सहित एक दर्जन अंचलों में इन गठजोड़ का खुलासा होने पर संबंधित विभाग को कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। 18 अंचलों में ऐसे गठजोड़ की उच्चस्तरीय जांच चल रही है।

दशकों पुराना फर्जी केवाला कर रहे तैयार

जांच में पता चला है कि भू माफिया पहले जमीन को विवादित बनाते हैं। इसके लिए जमीन का 80 से 100 साल पुराना फर्जी केवाला या संबंधित दस्तावेज तैयार किया जाता है। इसके आधार पर जमीन माफिया के विभिन्न सदस्यों के नाम पर गलत तरीके से रजिस्ट्री करा ली जाती है। फिर राजस्व पदाधिकारी की मनमाफिक रिपोर्ट लेकर दाखिल-खारिज का काम होता है।

सीओ की भूमिका भी शक के दायरे में

चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें अंचलाधिकारी से लेकर राजस्व पदाधिकारी और राजस्व कर्मियों की भी अवैध भूमिका सामने आई है। इस बीच, भूमि का असल दावेदार सीओ से लेकर डीसीएलआर और अपर समाहर्ता तक शिकायत दर्ज कराता है, लेकिन लंबे समय तक सुनवाई नहीं होने से जमीन माफिया का कब्जा बरकरार रहता है। इससे संबंधित जांच के दौरान ईओयू टीम को ऐसी कई शिकायत प्राप्त हुई।

बुजुर्ग रियल एस्टेट कारोबारी की हत्या, गले पर निशान और पास में मिला खून लगा कपड़ा

सोनभद्र (एजेंसी)।

यूपी के सोनभद्र में रियल एस्टेट कारोबारी ओमकाश भारद्वाज की शुक्रवार रात गला घोंटकर हत्या कर दी गई। वार्ड चार क्षेत्र में रहने वाले 62 वर्षीय भारद्वाज का शव शनिवार सुबह घर की छत पर बने कमरे में बिस्तर पर मिला। उनके गले पर निशान मिले हैं। पास में खून लगा कपड़ा भी पड़ा था। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।



सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। छोटे बेटे आकाश ने कोतवाली में तहरीर दी। लेकिन पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। वाराणसी के कपसेठी थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव के मूल निवासी ओमप्रकाश पिछले छह वर्षों से दोनों बेटों विकास और आकाश के साथ रियल एस्टेट कारोबार कर रहे थे।

शुक्रवार शाम दोनों बेटे धुरकरी गांव स्थित उनके बनवाए हनुमान मंदिर गए थे। वहां बाटी-चोखा की पार्टी थी। दोनों पिता के लिए खाना लेकर लौटने वाले थे, लेकिन ओमप्रकाश ने कुछ मित्रों के आने की बात कहकर फोन पर उन्हें रात में वहीं रुकने को कहा था। सुबह लौटने पर दरवाजा नहीं खुला तो बेटों ने पीछे के दरवाजे से प्रवेश किया तो देखा कि बिस्तर पर शव पड़ा है।

पुलिस हत्या के एंगल पर कर रही है जांच

ओमप्रकाश भारद्वाज की मौत की सूचना मिलते ही घोरावल पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी उदय नारायण कुशवाहा ने जांच की। फोरेंसिक टीम ने महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए। अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रूणवाल और क्षेत्राधिकारी घोरावल राजेश कुमार राय ने भी घटना की जानकारी ली। क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका है।

सिल्ली में रानीहारा डैम का बांध टूटा, डूब गईं फसलें

रांची (एजेंसी)।

सिल्ली प्रखंड अंतर्गत गोंडाडीह पंचायत के खैरबेड़ा के पास स्थित रानीहारा डैम का बांध शनिवार को लगभग 40 फीट टूट गया। तेज बहाव के साथ पानी गांवों में घुस गया, जिससे सैकड़ों किसानों की फसलें डूब गईं। उपजाऊ मिट्टी बह गई। पानी का असर खैरबेड़ा, बाह्मानी, गोंडाडीह नायकटोला, पेंटोला, बांसटोला, सातपालु, सीधाबगाना और पलासडीह समेत आसपास के क्षेत्रों में पड़ा है। घटना में कई मवेशी, बड़ी संख्या में बत्तखें व हजारों की मछलियां बह गईं। कुछ घरों में भी पानी घुस गया है। पांच गांवों के करीब 22 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। पिछले दिनों हुई भारी बारिश से डैम लबालब भर गया था और इसके टूटने की आशंका पहले से थी। ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2010-11 में जल संसाधन विभाग ने करोड़ों रुपये की लागत से इसका निर्माण कराया था। पूर्व मुखिया डब्लू महली समेत ग्रामीणों ने सिल्ली प्रशासन और बीडीओ को जानकारी दे दी है।

इसके बाद गोंडाडीह मुखिया सावन देवी, सुखराम बेदिया, सुभाष महतो, श्रीधर महतो और मुरलीधर घटवार समेत कई ग्रामीणों ने स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावितों को तुरंत मुआवजा देने की मांग की है।

खैरबेड़ा और सातपालु गांव में कई घर जलमग्न

डैम का बांध टूटने से खैरबेड़ा गांव में प्रयाग बेदिया, सोमरा मुंडा, रामधन मुंडा और सोखा महतो के घरों में पानी भर गया।

ललन सिंह ने हाथ खड़े किए, अनंत सिंह और नीरज में सुलह नहीं कराएंगे; कहा- मैं झगड़े में नहीं पड़ता

पटना (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने जनता दल यूनाइटेड (JDU) के दो नेता अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच सुलह से इनकार कर दिया है। ललन सिंह ने कहा कि वह किसी के झगड़े में नहीं पड़ते हैं। वह विकास के



काम में विश्वास रखते हैं। आज तक कभी उन्होंने अपने गांव का झगड़ा भी नहीं सुलझाया। दरअसल, बिहार विधान परिषद चुनाव के बीच अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच तनातनी खुलकर सामने आ गई है। इसी बीच, जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा था कि ललन सिंह इस मामले को देख रहे हैं।

जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने शनिवार को लखीसराय के घोषेठ में एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अनंत सिंह और नीरज कुमार का नाम लिए बगैर कहा कि वह किसी के झगड़े के बीच में नहीं पड़ते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर दोनों नेता तैयार हो जाएं, तो वह समझौता करा सकते हैं।

आज तक गांव का झगड़ा नहीं सुलझाया- ललन सिंह

ललन सिंह ने कहा, "आज तक गांव में किसी झगड़ा को प्रोत्साहन नहीं दिया। गांव में बहुत लोग झगड़ते हैं। मेरे पास आते हैं। हम कभी किसी के बीच में नहीं पड़ते हैं। सब लोग हमारे वोटर हैं। हम किसके पक्ष में रहेंगे? आपकी पैरवी कर दें, तो वो भी आएगा और उसकी भी पैरवी करना मेरा फर्ज है।"

संजय झा बोले- ललन सिंह को जेडीयू ने दिया टास्क

दो दिन पहले संजय झा ने कहा था कि यह मामला ललन सिंह के क्षेत्र (मुंगेर लोकसभा) से जुड़ा है, इसलिए उन्हें अनंत सिंह और नीरज से बात करने के लिए पार्टी ने अधिकृत किया है। कार्यकारी अध्यक्ष ने दोनों नेताओं के बीच सुलह जल्द होने की संभावना जताई। हालांकि, ललन सिंह की मध्यस्थता से इनकार के बाद अब सुलह पर फिर संशय के बादल छा गए हैं।

एमएलसी चुनाव में अनंत सिंह और नीरज का विवाद

बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं। उसमें से पटना स्नातक एमएलसी सीट पर जेडीयू के उम्मीदवार नीरज कुमार का मोकामा विधायक अनंत सिंह खुलकर विरोध कर रहे हैं।

बैंक बंदी के दिन यूपी में साइबर ठगों ने उड़ा दिए लाखों, कई खातों में सेंधमारी की

बैंक बंदी के दिन वाराणसी में साइबर ठगों ने कई खातों से लाखों उड़ा दिए। ठगों ने कई खातों में सेंधमारी करके अपने खातों में रकम ट्रांसफर कर ली। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने कोई ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी किसी को नहीं दी है।

वाराणसी/लोहता (एजेंसी)।

यूपी के वाराणसी में गांधी-शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में दो अक्तूबर को बैंक बंदी के दिन साइबर ठगों ने कई लोगों के खातों में सेंधमारी की। कोरौती गांव (लोहता) के निवासी एक स्कूल के प्रबंधक के खाते से ठगों ने साढ़े तीन लाख रुपये पार कर दिए। जबकि, उन्होंने किसी को बैंक संबंधी कोई जानकारी या ओटीपी शेयर नहीं की थी। वहीं, पांडेयपुर क्षेत्र के एक व्यक्ति से 1.36 लाख की ठगी की गई।



पुलिस के अनुसार कोरौती के स्कूल प्रबंधक डॉ. अजय कुमार सिंह के बैंक आफ बड़ौदा एवं आईसीआईसीआई बैंक में खाते हैं। शुक्रवार दोपहर 11 बजे मोबाइल पर पैसा कटने का मेसेज आया। बैंक बड़ौदा के खाते से 99800, फिर आईसीआईसीआई बैंक के खाते से 99999 रुपये एवं 30 हजार रुपये जालसाजों ने तीन बार में निकाल लिए। अजय सिंह का कोरौती गांव में सूरजपति कन्या इण्टर कालेज चलता है।

बताया कि न ही मोबाइल पर कोई लिंक, न ही ओटीपी आई। फिर भी दोनों बैंक खातों से रुपये कट गए। डॉ. अजय ने घटना की सूचना साइबर हेल्प लाइन और साइबर थाना पर दीहै। थानाध्यक्ष अभिजीत सिंह के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। उधर, पांडेयपुर के अनिल जायसवाल के साथ भी दो अक्तूबर को ठगी हो गई। उनका खाता यूको बैंक में है। उनकी पत्नी को अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को बैंककर्मी बताया। कहा कि आपके पति के खाते का केवाईसी अपडेट होना है। इसके लिए अनिल जायसवाल से आधार और एटीएम का नंबर मांगा। अनिल ने दोनों के नंबर दे दिए। थोड़ी देर बाद बताया गया कि आपका केवाईसी पांच साल के लिए अपडेट कर दिया गया है। फिर तीन बार में पैसे कटने के मेसेज आए। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर 1930 और नेशनल साइबर पोर्टल पर शिकायत की।

मोबाइल हैक कर खाते से निकाले एक लाख

सामने घाट के आशीष के साथ भी साइबर ठगी हो गई। उनके मोबाइल पर गूगल आईपी टीवी ब्लिंक कर रहा था। टच करते ही एक ऐप डाउनलोड हो गया और एक लाख रुपये कट गए।

बिहार पुलिस में नौकरी के नाम पर 3 लाख की ठगी

वाराणसी के चोलापुर थाना क्षेत्र में नौकरी के नाम पर फर्जीवाड़ा और 3 लाख की ठगी का मामला सामने आया है।

आरोपी फर्जी पुलिस वर्दी और बैज पहनकर युवाओं को अपने जाल में फंसाता था। पीड़ित की शिकायत पर जब पुलिस ने सुनवाई नहीं की तो कोर्ट के आदेश के बाद मुकदमा दर्ज किया गया। दशनीपुर गांव निवासी प्रद्युम्न यादव ने बताया कि वह गांव के पास ही 'बमबम फिजिकल एकाडमी' में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था। उसकी मुलाकात गोरखपुर के बड़हलगंज के चैनपुर निवासी रोहित निषाद से हुई।

उत्तराखंड से मानसून की विदाई, नौ फीसदी अधिक बरसे बादल

उत्तराखंड (एजेंसी)।

उत्तराखंड से दक्षिण-पश्चिम मानसून शनिवार को विदा हो गया। इस बार प्रदेशभर में कुल 96 दिन तक मानसून सक्रिय रहा। मानसून सीजन में सामान्य से नौ फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, यह लगातार चौथा साल है, जब राज्यभर में मानसून सीजन के दौरान सामान्य से ज्यादा पानी बरसा।

प्रदेशभर में इस साल मानसून ने 30 जून को दस्तक दी थी। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेशभर में इस मानसून सीजन में कुल 1269.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि का सामान्य आंकड़ा 1162.7 मिमी रहता है। मौसम विभाग के अनुसार, इस बार सितंबर का महीना और खास तौर पर इसके आखिरी सप्ताह में मानसून सबसे ज्यादा बरसा। सितंबर के आखिरी हफ्ते में सामान्य (20.9 मिमी) के मुकाबले 421 प्रतिशत अधिक यानी 108.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि पूरे सितंबर महीने में सामान्य से करीब 66 फीसदी अधिक मेघ बरसे। प्रभारी मौसम



निदेशक डॉ. रोहित थपलियाल ने बताया कि मानसून पूरे प्रदेश से विदा हो गया है।

96 दिन तक मानसून सक्रिय रहा। मानसून सीजन में सामान्य से नौ फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, यह लगातार चौथा साल है, जब राज्यभर में मानसून सीजन के दौरान सामान्य से ज्यादा पानी बरसा।

प्रदेशभर में कल से फिर बारिश

पांच से सात अक्टूबर तक प्रदेशभर में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। इसके बाद मौसम शुष्क हो जाएगा और सर्दी की आहट के साथ रातें सर्द होने लगेंगी। मौसम निदेशक डॉ. सीएस तोमर के मुताबिक, प्रदेशभर में पांच और छह को पहाड़ी इलाकों में और सात और आठ को प्रदेशभर में बारिश हो सकती है।

देहरादून में मजदूर की गला रेतकर हत्या, खाई में मिला शव

प्रेमनगर के मांडूवाला में श्रमिक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शनिवार शाम उसका शव डॉल्फिन कॉलेज के पास जंगल में दरेड नदी किनारे खाई में मिला। शव के गले-गर्दन पर चाकू के घाव हैं। हालांकि, हत्या के कारण स्पष्ट नहीं हुए हैं।

देहरादून (एजेंसी)।

प्रेमनगर के मांडूवाला में श्रमिक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शनिवार शाम उसका शव डॉल्फिन कॉलेज के पास जंगल में दरेड नदी किनारे खाई में मिला। शव के गले-गर्दन पर चाकू के घाव हैं। हालांकि, हत्या के कारण स्पष्ट नहीं हुए हैं। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। प्रेमनगर के थानाध्यक्ष गिरीश नेगी ने बताया कि शनिवार शाम करीब 4:30 बजे कंट्रोल रूम के माध्यम से डॉल्फिन कॉलेज के पास जंगल में शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो लहूलुहान शव खाई में मिला। मौके पर फॉरेंसिक और फील्ड यूनिट के जरिये साक्ष्य जुटाए गए। एसओजी की टीम ने भी जांच की। थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रथम दृष्टया सामने आया है कि खाई में फेंकने से पहले व्यक्ति की हत्या की गई।



स्कूली बच्चों ने रास्ते में देखे खून के निशान

प्रेमनगर पुलिस के अनुसार, शनिवार को स्कूली बच्चों ने खाई के ऊपर रास्ते में खून के निशान देखे थे। झाड़ियों में शव को घसीटने के निशान भी मिले हैं। आशंका है कि हत्या के बाद शव को घसीटकर खाई में फेंका गया। मदन (38) पुत्र बालेश्वर मुखिया ग्राम बौन सहरसा बिहार का रहने वाला था। वर्तमान में वह मांडूवाला में किराये के मकान में रह रहा था और मजदूरी करता था। मकान मालिक ने घटनास्थल पर उसकी पहचान की है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसकी छानबीन की जा रही है।

परिचितों से पूछताछ

पुलिस ने शनिवार को मृतक के परिचितों, मकान मालिक और साथियों से पूछताछ की। यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हत्या जंगल में ही की गई या शव को किसी दूसरी जगह से लाकर खाई में फेंका गया।

मैहर सहित पूरे प्रदेश में उद्योगों और धार्मिक पर्यटन का हो रहा है अभूतपूर्व विकास

कांग्रेस के पास कुशासन का इतिहास है, जबकि भाजपा के पास विकास का विजन है : हेमंत खण्डेलवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को मैहर एवं सतना में जिला बैठकों को संबोधित कर सेवा संकल्प अभियान व सेवा सेतु अभियान के तहत उमा रेसीडेन्सी में नमो सेवा एवं प्रबुद्धजन व्यापारी सम्मेलन को संबोधित कर विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है। पार्टी कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं। पार्टी कार्यकर्ता वर्ष 2003 से पहले की मध्यप्रदेश की बदहाल स्थिति के संबंध में नौजवानों व जनता को बताएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार मैहर सहित पूरे प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। मध्यप्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर विरासत भी, विकास की परिकल्पना को साकार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बना है। प्रधानमंत्री मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक महाशक्ति के साथ विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। कांग्रेस पार्टी की अपनी कोई विचारधारा नहीं है। देश को आजाद कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने एक मंच के रूप में कांग्रेस पार्टी का उपयोग किया था। देश के आजाद होने के बाद कुछ लोगों ने कांग्रेस का उपयोग सत्ता प्राप्ति के लिए किया। आज कांग्रेस पार्टी एक परिवार की पार्टी बनकर रह गई है। कांग्रेस के पास कुशासन का इतिहास है, जबकि भाजपा के पास विकास का विजन है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक संगठन है और कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे मजबूत कड़ी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं के वास्तविक लाभार्थियों की जानकारी भी जनता तक पहुंचाएं और जहां किसी पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, वहां उसकी आवाज सरकार तक पहुंचाने का माध्यम बनें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से रही है। मैहर आस्था और संस्कृति की महत्वपूर्ण नगरी है। मैहर सहित प्रदेश के धार्मिक स्थलों के विकास और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार कार्य किए जा रहे हैं। मैहर की पहचान मां शारदा की आस्था के साथ-साथ मैहर घराने की शास्त्रीय संगीत परंपरा से भी जुड़ी हुई है। धार्मिक पर्यटन के विकास से स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता को राजनीति का साधन बनाया। आज कांग्रेस परिवार आधारित दल बनकर रह गई है। भाजपा विचारधारा आधारित संगठन है और उसने अपनी मूल विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का संकल्प व्यक्त किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त किया। जनसंघ के समय से ही भाजपा तीन तलाक और समान नागरिक संहिता जैसे विषयों को लेकर अपनी बात रखती रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाया गया। मध्यप्रदेश विधानसभा ने समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 पारित किया है और इसकी संवैधानिक प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिला, युवा और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएं लागू की हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर उपलब्ध कराया गया है।



वन विहार में जुड़े आवास, वन्य जीवन का विकास थीम के अनुरूप संरक्षण, जागरूकता जनभागीदारी पर हो रहे विविध कार्यक्रम

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह 2026 के अंतर्गत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में वन्यजीव संरक्षण, जैव-विविधता, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। 4 अक्टूबर को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में वनकर्मियों एवं उनके परिवारों के लिए फैमिली वाइल्डलाइफ डे-वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत वनकर्मियों एवं उनके परिवारों को वन्यजीव सप्ताह



किया जा रहा है। इस वर्ष राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह की थीम ÷जुड़े आवास, वन्यजीवन का विकास÷ निर्धारित की गई है। थीम के अनुरूप आयोजित गतिविधियों में वन्यजीवों एवं उनके प्राकृतिक आवास के बीच संबंध, जैव-विविधता संरक्षण तथा मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के महत्व को प्रमुखता से रेखांकित किया जा रहा है। कार्यक्रमों में वनकर्मियों एवं उनके परिवारों के साथ विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों की गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से फैमिली वाइल्डलाइफ डे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य वनकर्मियों एवं उनके परिवारों के बीच वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं सहभागिता को बढ़ावा देना तथा परिवार के सदस्यों को वन्यजीव एवं प्रकृत्ति संरक्षण से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे 20 हजार युवाओं से सीधा संवाद

युवाओं की आकांक्षाओं को अवसरों से जोड़ेगा सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

प्रदेश की युवा शक्ति की प्रतिभा, आकांक्षाओं और नवाचार को नई संभावनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में सीएम यूथ कॉन्क्लेवङ्क2026 का आयोजन 6 अक्टूबर को भोपाल के लाल परेड मैदान में किया जाएगा। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 20 हजार से अधिक युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने लाल परेड मैदान में कार्यक्रम स्थल, प्रदर्शनी कक्षों सहित आयोजन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा युवाओं की सुविधा और कार्यक्रम की सुव्यवस्थित संचालन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन एवं आयुक्त, उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। कॉन्क्लेव में रोजगार, कौशल विकास, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान तथा



उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष फोकस रहेगा। विशेषज्ञों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और नवोदित उद्यमों की सहभागिता से युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार की बदलती आवश्यकताओं और उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी मिलेगी। आयोजन में 17 शासकीय विभागों एवं विभिन्न संस्थाओं की सहभागिता रहेगी। उच्च शिक्षा, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, तकनीकी शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, श्रम, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, परिवहन, आयुष तथा पुलिस एवं साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न विभाग अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित योजनाओं और गतिविधियों से युवाओं को परिचित कराएंगे। मध्यप्रदेश स्टार्टअप सेंटर एवं सेडमैप द्वारा स्वरोजगार, उद्यमिता, कौशल विकास और नवाचार से संबंधित गतिविधियां प्रस्तुत की जाएंगी। कॉन्क्लेव में विभागों, संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और नवोदित उद्यमों के 80 से अधिक प्रदर्शनी कक्ष लगाए जाएंगे। इनमें रोजगार, प्रशिक्षण, कॅरियर, उद्यमिता, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और शासकीय योजनाओं से संबंधित गतिविधियां प्रदर्शित की जाएंगी। विश्वविद्यालयों द्वारा शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता, कॅरियर मार्गदर्शन और ड्रोन प्रौद्योगिकी सहित भविष्य की आवश्यकताओं से जुड़े विषयों पर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। मध्यप्रदेश स्टार्टअप सेंटर के माध्यम से विभिन्न नवोदित उद्यम अपने उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। युवा इन नवाचारों के माध्यम से नए विचारों को उत्पाद एवं उद्यम में बदलने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

भाला और बंदूक के चैंपियन पहुंचे बांधवगढ़

नीरज चोपड़ा और गगन नारंग ने जंगल सफारी का लिया आनंद, वन्यजीव संरक्षण का लिया संकल्प

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शनिवार को खेल और वन्यजीव संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता श्री नीरज चोपड़ा और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज श्री गगन नारंग ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का भ्रमण किया और वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। श्री नीरज चोपड़ा और श्री गगन नारंग ने जंगल सफारी का आनंद लेने के साथ ही वन अधिकारियों एवं फील्ड स्टाफ से बाघ संरक्षण, वन्यजीव प्रबंधन और ईको-टूरिज्म से जुड़े प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बांधवगढ़ की जैव विविधता को करीब से देखा तथा वन्यजीव संरक्षण में मैदानी अमले की महत्वपूर्ण भूमिका को समझा। वन्यजीव सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में दोनों खेल हस्तियों ने टाइगर रिजर्व के कोर गेट



पर लगाए गए 'सिग्नेचर कैंपेन-प्लेज बोर्ड' पर हस्ताक्षर कर वन्यजीव संरक्षण का संकल्प लिया। दोनों खिलाड़ियों ने प्रशिक्षु वनरक्षकों से भी संवाद किया। उन्होंने वनकर्मियों के समर्पण और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण की जिम्मेदारियों के साथ अपने स्वास्थ्य और फिटनेस पर ध्यान देना भी जरूरी है। उन्होंने वनकर्मियों को समय निकालकर खेलकूद एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्लेज बोर्ड के माध्यम से वन्यजीवों का सम्मान करने, प्लास्टिक के उपयोग से बचने, जंगल को स्वच्छ एवं शांत रखने तथा जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। श्री नीरज चोपड़ा और श्री गगन नारंग की भागीदारी ने बांधवगढ़ में आयोजित वन्यजीव सप्ताह को विशेष और यादगार बना दिया। दोनों खेल दिग्गजों की मौजूदगी से वन्यजीव संरक्षण के संदेश को आमजन तक पहुंचाने तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल को बल मिला।

मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर संकोच दूर करना और व्यापक जागरूकता लाना बेहद आवश्यक : राज्यमंत्री गौर



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्ण गौर ने कहा कि मासिक धर्म महिलाओं एवं बेटियों के जीवन की एक अत्यंत स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, किंतु लंबे समय तक सामाजिक झिझक के कारण इस विषय पर खुलकर चर्चा न होने से अनेक किशोरियों और महिलाओं को सही समय पर स्वच्छता संबंधी आवश्यक जानकारी नहीं मिल पाती थी। स्वस्थ बेटी, जागरूक महिला और आत्मविश्वासी नारी ही समाज की वास्तविक प्रगति का आधार हैं। स्वच्छता से स्वास्थ्य, स्वास्थ्य से आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त होता है। इस संदेश को प्रत्येक जरूरतमंद बहन-बेटी तक पहुँचाना हम सभी की सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी है। एक सक्षम बेटी, आत्मनिर्भर नारी और सशक्त मातृत्व ही हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हैं।÷ पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर भोपाल स्थित गोविंदपुरा क्षेत्र के रत्नागिरी चौराहा, आनंद नगर दशहरा मैदान में आयोजित विशाल सैनिटरी पैड वितरण समारोह को संबोधित कर रही थीं।

मंडला में करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपए की धोखाधड़ी संबंधी शिकायतों की जांच

निवेश के नाम पर राशि दोगुनी करने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आमजन को निवेश के नाम पर कम समय में अधिक लाभ का प्रलोभन देकर आर्थिक धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंडला जिले में निवेश की राशि कम समय में दोगुनी कर लौटाने का लालच देकर लोगों से राशि प्राप्त करने संबंधी प्रकरण में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 32 लाख रुपए नकद, तीन स्कूटी, एक मारुति ब्रेजा कार, एक हुंडई अल्काजार कार तथा एक मोबाइल फोन सहित लगभग 66 लाख 50 हजार रूपए की संपत्ति जब?त की है। प्रकरण की जांच में अब तक करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपए की धोखाधड़ी संबंधी शिकायतें सामने आई हैं। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मंडला पुलिस द्वारा विशेष टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश एवं पतासाजी की गई। टीमों द्वारा नागपुर, गोंदिया, मुंबई, बालाघाट सहित विभिन्न



स्थानों पर जानकारी एकत्र कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस की समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप गोंदिया, बालाघाट एवं मंडला से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि हुंडई अल्काजार कार पूर्व में गिरवी रखी हुई थी, जिसे आरोपियों द्वारा कथित रूप से धोखाधड़ी से प्राप्त राशि में से 11 लाख रुपए नकद देकर छुड़ाया गया था। पुलिस द्वारा धोखाधड़ी से प्राप्त राशि का वाहनों एवं अन्य वस्तुओं की खरीद में उपयोग किए जाने के संबंध में भी जांच की जा रही है। जांच में एक आरोपी के विरुद्ध महाराष्ट्र के नागपुर जिले के नंदनवन थाने में भी धोखाधड़ी का प्रकरण पंजीबद्ध होना सामने आया है। उक्त प्रकरण में आरोपी के जमानत पर होने की जानकारी प्राप्त हुई है। वर्तमान प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर निवेशकों की पहचान, उनसे प्राप्त राशि, आपसी वित्तीय लेन-देन, अर्जित संपत्तियों तथा धोखाधड़ी से प्राप्त राशि के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। प्रकरण की जांच जारी है। मध्यप्रदेश पुलिस आमजन से अपील करती है कि कम समय में धनराशि दोगुनी करने अथवा असामान्य रूप से अधिक लाभ देने के प्रलोभन में अपनी जमा पूंजी निवेश न करें। किसी भी निवेश योजना में राशि लगाने से पूर्व उसकी सत्यता एवं वैधानिकता की जांच अवश्य करें।

सेवा संकल्प ज्योति यात्रा की तैयारियों को लेकर मंत्री सारंग ने ली बैठक

नरेला विधानसभा के प्रत्येक बूथ से निकलते हुए जिला मुख्यालय पर होगी एकत्रित

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को सेवा संकल्प ज्योति यात्रा की तैयारियों को लेकर नरेला विधानसभा के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में उन्होंने यात्रा की तैयारियों, आयोजन की रूपरेखा एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा को समाज के प्रत्येक वर्ग को अवगत कराने के उद्देश्य से 7 अक्टूबर को देशभर में एक साथ सेवा संकल्प ज्योति यात्रा निकाली जा रही है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा के सभी बूथों से यात्रा निकलते



हुए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भोपाल जिला मुख्यालय पर एकत्रित होंगी। सेवा ज्योति यात्रा में प्रत्येक बूथ से 20-20 कार्यकर्ता और लाभार्थी शामिल होंगे। सबसे पहले बूथ कार्यकर्ता बाइक से अपने-अपने बूथ का भ्रमण करते हुए मंडल मुख्यालय पर पहुंचेंगे। मंडल पर एकत्रित होकर सभी कार्यकर्ता विधानसभा मुख्यालय पर पहुंचेंगे। विधानसभा मुख्यालय से जिला मुख्यालय पहुंचेंगे। कार्यक्रम स्थल से 1 या 2 किमी दूर से पदयात्रा के रूप कार्यक्रम स्थल जहां विकसित भारत संकल्प सभा होना है वहां पहुंचेंगे। विधानसभा मुख्यालयों से सभी यात्रायें जिला मुख्यालय पर प्रातः 10 बजे तक पहुंचेंगी। जिला मुख्यालय सभा स्थल पर प्रातः 11 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल सभा को संबोधित करेंगे।

14 विशेष ज़ोन में अपराध की सूचना से लेकर न्यायालय के अंतिम निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया का सजीव प्रदर्शन

नवीन न्याय संहिताओं को करीब से जानने का अवसर-बीएचईएल दशहरा मैदान में भव्य प्रदर्शनी

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा 03 अक्टूबर को भेल दशहरा मैदान पर नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इस प्रदर्शनी में भारतीय न्याय व्यवस्था में हुए महत्वपूर्ण बदलावों, नवीन न्याय संहिताओं के प्रावधानों तथा अपराध की सूचना प्राप्त होने से लेकर विवेचना, फॉरेंसिक जाँच, अभियोजन, न्यायालयीन कार्यवाही और अंतिम न्याय तक की संपूर्ण प्रक्रिया को 14 अलग-अलग ज़ोन में सजीव मॉडल, डिजिटल तकनीक, वीडियो, चार्ट एवं लाइव प्रदर्शन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। सात अक्टूबर तक चलने वाली यह पांच दिवसीय प्रदर्शनी का उद्देश्य नागरिकों को नवीन न्याय संहिताओं, आधुनिक पुलिसिंग, वैज्ञानिक अनुसंधान, डिजिटल तकनीक तथा न्याय प्रक्रिया की जानकारी सहज एवं व्यावहारिक रूप से उपलब्ध कराना है। प्रदर्शनी में अपराध की सूचना प्राप्त होने से लेकर पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्रवाई, वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन, फॉरेंसिक जाँच, अभियोजन एवं न्यायालयीन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया को विभिन्न मॉडल, डिजिटल तकनीक एवं सजीव प्रस्तुतियों के माध्यम से समझाया जा रहा है। प्रदर्शनी में बनाए गए 14 विशेष ज़ोन नागरिकों को न्याय व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं से रूबरू कराते हैं। 3ष मॉडल के माध्यम से घटनास्थल की वैज्ञानिक जाँच, साक्ष्य संकलन तथा आवश्यक वीडियो रिकॉर्डिंग की प्रक्रिया का सजीव प्रदर्शन किया गया है। इससे नागरिकों को यह समझने का अवसर मिलता है कि किसी अपराध की विवेचना में वैज्ञानिक साक्ष्यों की क्या भूमिका होती है। आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की त्वरित



प्रतिक्रिया, कॉल रिसीविंग, रिस्पॉन्स व्हीकल की तैनाती तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से नागरिकों तक सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया प्रदर्शित की जा रही है। पुलिस थाने की कार्यप्रणाली के साथ ई-एफआईआर, जीरो एफआईआर सहित विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही न्यायालय में होने वाली सुनवाई एवं न्यायिक प्रक्रिया को मॉडल के माध्यम से सरल रूप में समझाया गया है। डीएनए, फिंगरप्रिंट, बैलिस्टिक तथा डिजिटल फॉरेंसिक जैसे वैज्ञानिक माध्यमों से अपराधों की जाँच किस प्रकार की जाती है, इसका प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया जा रहा है।

साइबर सुरक्षा जागरूकता

ऑनलाइन ठगी, डिजिटल फ्रॉड एवं साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के लिए 'सेफ क्लिक अभियान' के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। महिला हेल्प डेस्क एवं महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। विद्यार्थियों एवं युवाओं के लिए कानून और नागरिक अधिकारों से संबंधित रोचक डिजिटल क्विज़ की व्यवस्था की गई है, जिसके माध्यम से मनोरंजक तरीके से कानूनी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। स्थानीय रंगकर्मियों के साथ पुलिस अधिकारियों, डॉक्टर्स एवं अभियोजन अधिकारियों की सहभागिता से न्याय प्रक्रिया के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं को नाट्य रूपांतरण के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। सजीव नाट्य मंचन के माध्यम से अपराध की घटना, पुलिस को सूचना, घटनास्थल की जाँच, चिकित्सकीय परीक्षण, वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन, विवेचना, अभियोजन तथा न्यायालयीन कार्यवाही जैसे विभिन्न चरणों को वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप सरल एवं प्रभावी तरीके से समझाया जाएगा।

बिना शुगर, बिना प्रिजर्वेटिव...घर पर बनाएं हेल्दी पीनट बटर, बाजार जैसा क्रीमी स्वाद



पीनट बटर प्रोटीन का बढ़िया सोर्स होता है. ये स्वाद में बच्चों से लेकर बड़ों तक को पसंद आता है, लेकिन बाजर में मिलने वाले पीनट बटर में प्रिजरवेटिव और शुगर होती है. जान लें इसे घर पर कैसे बनाएं.

पीनट बटर एक हेल्दी ब्रेड स्प्रेड हो सकता है, लेकिन बाजार से इसे खरीदते हैं तो इसमें रिफाइंड शुगर और शेल्फ लाइफ बढ़ाने वाले प्रिजर्वेटिव से लेकर ढेर सारा तेल भी होता है. आपके घर में भी अगर ब्रेकफास्ट बिना पीनट बटर के पूरा नहीं होता है तो इसे घर पर बनाना आपके लिए बेस्ट रहेगा. पीनट बटर बनाने में आपको बहुत ज्यादा टाइम भी नहीं लगेगा और इसकी रेसिपी भी बिल्कुल सिंपल है.

पीनट बटर की रेसिपी शेफ पंकज भदौरिया ने शेयर की है जिसमें कोई प्रिजर्वेटिव या रिफाइंड शुगर एड नहीं किया गया है. मिठास के लिए खजूर और शहद का इस्तेमाल हुआ है, इसलिए आप इसे बिना झिझक के अपने रूटीन में शामिल कर सकते हैं. ये इतना क्रीमी होगा कि बनने के बाद आपको लगेगा ही नहीं कि बाजार से खरीदा है या फिर घर पर बनाया है. तो चलिए देख लेते हैं पीनट बटर की रेसिपी.

रेसिपी- पीनट बटर
तैयारी का समय- 10 मिनट
पकाने का समय- 10 मिनट
मात्रा- 250 ग्राम
पीनट बटर के इनग्रेडिएंट्स
200 ग्राम बिना नमक वाली छिली हुई मूंगफली
1/4 छोटा चम्मच नमक
2 छोटे चम्मच शहद
2 बड़े चम्मच मूंगफली का तेल (देसी घी भी यूज कर सकते हैं)
6-7 खजूर, कटे हुए
पीनट बटर बनाने की रेसिपी

मूंगफली को 8-10 मिनट तक सूखा भूनें (बिना तेल के) जब तक कि अच्छी खुशबू न आने लगे और छिलका चटकने न लगे.

ध्यान रखें कि मूंगफली को मीडियम और हल्की आंच पर भूनना होता है ताकि अंदर से इसका कच्चापन अच्छी तरह निकल जाए.

अब मूंगफली को पूरी तरह ठंडा होने दें और कपड़े में डालकर इसे रगड़कर छिलका हटा दें. इसके बाद छिलके अलग कर लें.मूंगफली के दानों को मिक्सर ग्राइंडर में आप तब तक पीसें जब तक यह बिल्कुल पेस्ट जैसा न बन जाए.

मूंगफली के तैयार किए गए पेस्ट में बाकी चीजें डालें. शहद या बीज निकले खजूर, नमक, मूंगफली का तेल या देसी घी.अब एक बार फिर से सारी चीजों को साथ में तब तक ब्लेंड करें जब तक कि एक स्मूद मिश्रण तैयार न हो जाए.इस तरह से आपका बिल्कुल बाजार जैसा क्रीमी पीनट बटर बनकर तैयार हो जाएगा, जिसे आप एक शीशे के जार में भरकर फ्रिज में स्टोर कर लें.

पीनट बटर के न्यूट्रिएंट्स

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के मुताबिक, 100 ग्राम पीनट बटर में 22.5 ग्राम प्रोटीन, 4.8 ग्राम फाइबर, 49 मिलीग्राम कैल्शियम, 1.73 मिलीग्राम आयरन, 169 मिलीग्राम मैग्नीशियम,339 मिलीग्राम फास्फोरस, 564 मिलीग्राम पोटेशियम, 2.54 मिलीग्राम जिंक, 1.86 मिलीग्राम मैग्नीज, 4.1 माइक्रोग्राम सेलेनियम, पाया जाता है. इसमें बी कॉम्पलेक्स के कुछ विटामिन समेत फैटी एसिड्स भी होते हैं.

चुनावी तानाशाही से खालिस तानाशाही की ओर!



चुनाव आयोग में भी मुख्य चुनाव आयुक्त के हाथों में शक्तियों के इस केंद्रीयकरण को, हाल के रहस्योद्घाटन से एक बड़ा धक्का लगा है। इन रहस्योद्घाटन में यह जानकारी खास थी कि पिछले दस महीनों में ही कम से कम 14 मौकों पर, मुख्य चुनाव आयुक्त के इतर, अन्य चुनाव आयुक्तों ने आयोग के अलग-अलग निर्णयों पर अपनी आपत्तियां/ असहमतियां दर्ज करायी थीं। कुछ मामलों में दो चुनाव आयुक्तों ने एक ही मुद्दे पर अलग-अलग अपनी आपत्तियां दर्ज करायी थीं, जो वास्तव में चुनाव आयोग का बहुमत होता था।स्वीडन के गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय के वी-डेम इंस्टीट्यूट की डेमोक्रेसी रिपोर्टों में 2018 से यानी मोदीशाही के पहले कार्यकाल के आखिरी वर्ष से ही भारत को %इलेक्टोरल ऑटोक्रेसी% या चुनावी तानाशाही की श्रेणी में रखा जाता रहा है। इस श्रेणी में ऐसे निजाम आते हैं जहां बहुदलीय चुनावी व्यवस्था तो बनी हुई है, फिर भी अभिव्यक्ति की आजादी, मीडिया की स्वतंत्रता, स्वतंत्र/ निष्पक्ष चुनाव और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसी जनतंत्र की बुनियादी शर्तों के मामले में, किसी हद तक कमी रहती है। याद रहे कि वी-डेम इंस्टीट्यूट ने वैसे तो 2018 से ही मोदीशाही के भारत की पहचान चुनावी तानाशाही के रूप में करनी शुरू कर दी थी। फिर भी उसकी 2021 की उसकी डेमोक्रेसी रिपोर्ट में और ज्यादा पुख्ता तरीके से अपने इस चरित्रांकन को दोहराया गया।उसका यह चरित्रांकन इसलिए और पुख्ता हुआ था क्योंकि 2019 के बाद से जनतंत्र के तकाजों के हिसाब से गिरावट और बहुत आगे चली गयी थी। रिपोर्ट में इस गिरावट को मुख्यत- मोदी राज में सामने आए रुझानों और खासतौर पर लिबरल डेमोक्रेसी इंडेक्स पर भारत के 2013 के 0.57 से अधिक अंक के ऊंचे स्तर से गिरकर 2020 के आखिर तक 0.34 अंक पर आ जाने के साथ जोड़ा गया था। यह गिरावट अभिव्यक्ति/ मीडिया की स्वतंत्रता के सिकुड़ने, सिविल सोसाइटी पर बढ़ते दबावों और राजद्रोह/डिफेमेशन/आतंकवाद-विरोध से संबंधित कानूनों का बढ़ते पैमाने पर उपयोग किए जाने को दिखाती थी।जाहिर है कि वी-डेम की बाद की रिपोर्टें यही दिखाती आयी हैं कि भारत 2018 तक चुनावी तानाशाही केगड्ढे में गिरने के बाद से, उसीगड्ढे में पड़ा हुआ है। बहरहाल, वी-डेम के हुकूमतों के वर्गीकरण में, चुनावी तानाशाही से भी नीचे खिसक कर कोई देश, क्लोज्ड ऑटोक्रेसी या मुकम्मल तानाशाही के रसातल में भी जा सकता है। चुनाव आयोग पर मुकम्मल कब्जे के जरिए, पिछले कुछ वर्षों में और खासतौर पर 2024 के आम चुनाव में मोदीशाही को तगड़ा धक्का लगने के बाद से, चुनावों को जिस तरह ज्यादा से ज्यादा झुठलाने के प्रबंध किए गए हैं, उनसे चुनावी तानाशाही की %चुनावी% की शर्त का कमजोर होना और तानाशाही का और मजबूत होना तो पहले ही सब को दिखाई दे रहा था। लेकिन, मोदीशाही के नियंत्रण में भारतीय चुनाव आयोग पिछले साल भर से ज्यादा से जिस तरह से काम कर रहा था, उसके हाल में मीडिया में और खासतौर पर इंडियन एक्सप्रेस में हुए भंडाफोड़ के बाद, ऐसा लगता है कि चुनाव को पूरी तरह से निरर्थक ही बना देने का पूरा बंदोबस्त किया जा चुका है।चुनाव आयोग के काम-काज के संबंध में पिछले हफ्ते-दस दिन में हुए रहस्योद्घाटन से और इन रहस्योद्घाटन पर देश भर में हुई व्यापक प्रतिक्रिया के सामने, समूची चुनाव प्रक्रिया को भीतर से ध्वस्त करने के अपने खेल को बचाने की कोशिश में, सत्ताधारियों के दबाव में चुनाव आयोग द्वारा बैठक कर जारी की गयी %सर्वसम्मत विज्ञप्ति% में नीति-परोक्ष रूप से कबूल की गयी गड़बड़ियों से, एक केंद्रीय सच्चाई निकल कर आती है। यह सच्चाई है, 140 करोड़ आबादी और करीब 100 करोड़ मतदाताओं के इस विशाल देश में, चुनाव व्यवस्था के बुनियादी कामों/ निर्णय प्रक्रियाओं का पूरी तरह से केंद्रीयकरण। यह केंद्रीयकरण, सारी चुनाव व्यवस्था राजधानी में बैठे केंद्रीय चुनाव आयोग के हाथों में केंद्रीयकरण तक ही सीमित नहीं रहता है। यह तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में भी वास्तविक शक्ति, एकलौते मुख्य चुनाव आयुक्त और उसके आदेश से बंधे अधीनस्थों के गुट के हाथों में सिमट जाने पर जाकर मुकम्मल होता है। और इस गुट की डोरियां सत्ता के शीर्ष पर बैठी जोड़ी के हाथ में है, जो नये कानून के अंतर्गत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति भी है। एक्जिक्यूटिव ब्रांचबेशक, चुनाव आयोग में भी मुख्य चुनाव आयुक्त के हाथों में शक्तियों के इस केंद्रीयकरण को, हाल के रहस्योद्घाटन से एक बड़ा धक्का लगा है। इन रहस्योद्घाटन में यह जानकारी खास थी कि पिछले दस महीनों में ही कम से कम 14 मौकों पर, मुख्य चुनाव आयुक्त के इतर, अन्य चुनाव आयुक्तों ने आयोग के अलग-अलग निर्णयों पर अपनी आपत्तियां/ असहमतियां दर्ज करायी थीं। कुछ मामलों में दो चुनाव आयुक्तों ने एक ही मुद्दे पर अलग-अलग अपनी आपत्तियां दर्ज करायी थीं, जो वास्तव में चुनाव आयोग का बहुमत होता था। चुनाव आयोग संबंधी कानूनों के अनुसार, आयोग के निर्णय सर्वसम्मति से और सर्वसम्मति से संभव न हो तो, बहुमत के आधार पर लिए जाने चाहिए। किंतु अल्पमत में होते हुए भी, निर्णय की प्रक्रिया को तोड़-मरोड़कर मुख्य चुनाव आयुक्त के निर्णय को, कई मामलों में चुनाव आयोग का निर्णय बनाकर लागू कर दिया गया।यह खासतौर पर मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने/हटाने के सारे अधिकार ईसीआईनेट नाम के पूरी तरह से केंद्रीयकृत कंप्यूटर तंत्र के हवाले किए जाने की महाविकृति के रूप में सामने आया। और इसी प्रकार नये मतदाताओं से भरवाए जाने वाले फार्म-6 में अवैध संशोधन की एक और बड़ी विकृति के रूप में भी सामने आया। यह अवैध संशोधन, जिसे जोड़ने का चुनाव आयोग को कोई अधिकार ही नहीं है, 2026 से बनने वाले नये मतदाताओं के लिए, उनके माता-पिता या उनके भी माता-पिता की 2002 की मतदाता सूचियों में मौजूदगी की शर्त लगाता है, जोकि मताधिकार देने लिए पीढ़ी दर पीढ़ी निवास की निरंतरता साबित करने मांग करना है। हैरानी की बात नहीं है कि चुनाव आयोग द्वारा बिहार के विधानसभा चुनाव से पहले, पिछले साल मध्य से शुरू किए गए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण या एसआईआर को शुरू से ही पिछले दरवाजे एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करने की प्रक्रिया कहा जा रहा था, जो संघ परिवार का प्रिय प्रोजेक्ट है। सरकार

ईसीआईनेट के माध्यम से मतदाता सूचियों में बदलावों के पूरी तरह से केंद्रीयकरण के संदर्भ में यह याद रखना जरूरी है कि भारत के चुनावी कानूनों के हिसाब से विधानसभाई क्षेत्र स्तर के अधिकारी, ईआरओ को ही मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने/हटाने का वैध अधिकार है। उससे नीचे की शृंखला बूथ लेवल आफिसर या बीएलओ तक जाती है और यही मतदाता सूचियों में बदलाव का तंत्र है। यह व्यवस्था ढांचागत रूप से यह सुनिश्चित करती है कि मतदाता सूचियों में स्थानीय रूप से गड़बड़ियां तो रह सकती हैं, लेकिन बड़े पैमाने पर गड़बड़ी संभव ही नहीं है। बहरहाल, जैसा कि गोवा का चर्चित हुआ सौ से कुछ कम मतदाताओं के नाम जोड़े जाने के लिए, राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के नाकाम संघर्ष का प्रकरण बताता है, ईसीआईनेट के जरिए मतदाता सूचियों में बदलाव की प्रक्रियाओं समेत इन सूचियों का इस हद तक केंद्रीयकरण कर दिया गया है कि, राज्य का मुख्य चुनाव अधिकारी तक उन तक पहुंच नहीं सकता है, फिर ईआरओ को पहुंच हासिल होने का तो सवाल ही कहां उठता है? यह दूसरी बात है कि यह इस पूरी व्यवस्था को ही अवैधानिक बना देता है।ईसीआईनेट का और उसके नियंत्रकों का अचानक इतना ताकतवर हो जाना, कोई संयोग ही नहीं है। यह तानाशाही के प्रोजेक्ट का नया हथियार है, जो उन्नत प्रौद्योगिकी ने मुहैया कराया है। तानाशाहों और तानाशाहियों को हथियार के रूप में उच्च-प्रौद्योगिकी हमेशा पसंद आती है। और यह इसलिए तो होता ही है कि इस तरह तानाशाहियों की लोगों को नियंत्रित करने की शक्ति बहुत बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए भी होता है कि तानाशाहियां ऐसी प्रौद्योगिकियों की मानवीय कीमत की ओर से पूरी तरह से आंखें बंद किए रख सकती हैं। अक्सर तानाशाह कम पढ़े तथा सांस्कृतिक रूप से दरिद्र होते हैं, क्योंकि यह उनके लिए अपने किए की मानवीय कीमत की ओर से आंखें मूंदें रखकर, अपने प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाते रहना आसान बनाता है– जैसे मोदीशाही के लिए हिंदू राष्ट्र की परियोजना को आगे बढ़ाना। प्रचार अभियान और चुनाव

यहां हम एसआईआर पर आ जाते हैं, जो उच्च-प्रौद्योगिकी और हिंदू-राष्ट्र के इसी गठबंधन को सामने लाता है। सभी जानते हैं कि एसआईआर की जरूरत, जो कि वास्तव में नये सिरे से और भारतीय मूल की छन्नी में छानकर, अपात्रों को बाहर करते हुए मतदाता सूचियां तैयार करने की और इसीलिए इस देश की आबादी के विशाल हिस्से के लिए बहुत ही तकलीफदेह तथा करोड़ों लोगों को बाहर करने वाली प्रक्रिया है, सत्ताधारी संघ-भाजपा परिवार के एक अंधाधुंध प्रचार से बनी धारणा पर टिकी हुई थी। यह धारणा यह है कि बहुत बड़ी संख्या में विदेशी घुसपैठिए चोरी-छिपे आकर यहां बस गए हैं। इस पूरी कसरत का एक ही मतसद था–मतदाता सूचियों को इन घुसपैठियों से स्वच्छ करना! चूंकि घुसपैठियों की विशाल संख्या एक मिथक है, इसलिए इस छन्नी से वास्तविक घुसपैठियों की कोई उल्लेखनीय संख्या निकलने के तो अब तक कोई साक्ष्य नहीं हैं, जबकि देश के बड़े हिस्से में एसआईआर की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है, जबकि करोड़ों ऐसे कमजोर हैसियत के भारतीयों को इस छन्नी से छानकर बाहर किया जा चुका है,.

संपादकीय

आसमानी साहस

यह कल्पना करना भी कठिन होता है कि सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा के लिये जवाबदेह किसी हवाई जहाज का कोई को-पायलट अपने कैप्टन पर हमला करके जहाज को क्रैश कराने की साजिश करेगा। यहां तक कि पायलटों को ट्रेनिंग में भी इस तरह की अप्रत्याशित चुनौती पर चर्चा नहीं होती, क्योंकि यह विश्वास ही नहीं किया जा सकता कि कोई पायलट अपने पेशे से गद्दारी कर ऐसा कृत्य कर सकता है। कभी आसमान में जब ऐसा अप्रत्याशित घटे। फिर गंभीर रूप से घायल कैप्टन हमलावर साथी पायलट के घातक हमलों से जूझता हुआ, बेहद मुश्किल हालात में कॉकपिट खोल दे। फिर यात्रियों व क्रू-मेंबर्स को मदद के लिये आवाज दे। तो वास्तव में वह कैप्टन हमारी हकीकत की जिंदगी के हीरो से भी बढ़कर महानायक सरीखा ही है। फ्लाई दुबई के हवाई जहाज में कैप्टन स्मित मच्छार के ऐसे ही साहस से भयानक साजिश के चलते अचानक हजारों फीट नीचे गिरते जहाज को नियंत्रण में लाया जा सका। उनके साहस से हवाई जहाज में सवार 174 यात्रियों की जान बचायी जा सकी है। आज स्मित के साहस की दुनिया तारीफ कर रही है। हमेशा भारतीयों को लेकर असहज टिप्पणियां करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्मित के साहस की सार्वजनिक रूप से तारीफ की है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हीरो की तारीफ करते हुए कहा है कि एक हिंदुस्तानी ने एक दूसरा 9/11 होने से बचा लिया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत का गौरव बढ़ाने वाले स्मित मच्छार के साहस की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है। निस्संदेह, स्मित व हवाई जहाज में साहस दिखाकर विमान की सऊदी अरब में सुरक्षित लैंडिंग कराने वाले सहयोगी यात्री अभिनंदन के काबिल हैं। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई की फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग की घटना अप्रत्याशित और रोंगटे खड़े करने वाली है। इस्राइली यात्री यानीव हायुन भी बड़ी त्रासदी टालने वाले साहसी यात्रियों में शामिल थे। इस हवाई जहाज के इस्राइल में उतरने पर इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पहुंचकर इस साहसी यात्री की पीठ थपथपायी।

बहरहाल, स्मित मच्छार द्वारा समय पर दिखाए गए अदम्य साहस ने एक बड़ी हवाई त्रासदी को टाल दिया। निश्चित रूप से आने वाले समय में जांच के बाद कई अहम सवालों के जवाब मिल पाएंगे। सवाल है कि आखिर विमान का को-पायलट जहाज को क्यों क्रैश कराना चाहता था? क्या इसके पीछे कोई आत्मघाती विचारधारा काम कर रही थी या ये कोई बड़ी आतंकी साजिश थी? क्या ये को-पायलट के कट्टरपंथ की ओर रुझान, या फिर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या की परिणति थी? वैसे साजिश में ईरान के शामिल होने के दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। समय की मांग है कि सऊदी अरब, यूएई और इस्राइल आदि देशों के जांचकर्ताओं को असलियत का पता लगाना चाहिए। बहरहाल, इस्राइल पर हमास के घातक हमले की तीसरी बरसी से कुछ दिन पहले हुई इस भयावह घटना ने दुनियाभर में हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवालों पर सबका ध्यान खींचा है। इस घटनाक्रम के कई अनुत्तरित सवाल लोगों को परेशान कर रहे हैं कि को-पायलट को प्राणघातक हथियार कैसे मिला? क्या हवाई जहाज के उड़ान भरने से पहले कॉकपिट सुरक्षा के मौजूदा नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया था? घटनाक्रम के आलोक में एविएशन प्रोटोकॉल की पारदर्शी जांच भी जरूरी है। इस घटना का मानवीय पहलू यह है कि कैप्टन, यात्रियों व क्रू मेंबर्स ने बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में विमान को आकाश में बनाये रखा। बेहद जटिल स्थिति में तत्काल समयानुकूल निर्णय लेने के लिये उनके हिम्मती कदम बेहद सम्मान व तारीफ के काबिल हैं।

आदिवासी स्कूल : बड़े बजट की बचकानी उपलब्धियां

आदिवासी शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौती शायद यही है कि यहां स्कूल सिर्फ पढ़ाई की जगह नहीं होती। दूरदराज के गांवों में रहने वाले बच्चे के लिए वही छात्रावास है, वही भोजन की व्यवस्था है, वही स्वास्थ्य की पहली निगरानी है और कई बार वही घर से बाहर सुरक्षित ठिकाना भी है। इसलिए किसी आदिवासी स्कूल की खराब छत केवल निर्माण की समस्या नहीं है। पानी की कमी सिर्फ एक सुविधा का अभाव नहीं है।

गढ़चिरौली के जंगलों के बीच किसी आदिवासी स्कूल की जर्जर दीवार, पानी के लिए इंतजार करते बच्चे, छात्रावास में सुरक्षा की चिंता और पढ़ाई के बीच बिजली या बुनियादी सुविधाओं का अभाव की तस्वीरें किसी एक जिले या एक राज्य की कहानी नहीं हैं। देश में आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए योजनाएं हैं, अलग बजट है, आवासीय स्कू लों का बड़ा नेटवर्क है और छात्रवृत्तियों की व्यवस्था भी है। फिर भी सवाल वहीं खड़ा है-इन सबका वास्तविक असर उस बच्चे तक कितना पहुंच रहा है, जो अपने गांव से कई किलोमीटर दूर पढ़ने आया है।सितंबर में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से शुरू हुई %आदिवासी स्कूल ठीक करो% जैसी एक हालिया जमीनी पहल ने इसी पुराने सवाल को फिर सामने ला दिया है। स्कूलों की इमारत, पानी, बिजली, शौचालय, छात्रावास, शिक्षकों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर जब जमीन पर सवाल उठते हैं तो बात किसी एक स्कूल की नहीं रह जाती। तब सवाल पूरे आदिवासी शिक्षा तंत्र की पड़ताल का हो जाता है।सरकारी आंकड़े बताते हैं कि आदिवासी शिक्षा पर संसाधनों की कमी की तस्वीर इतनी सीधी भी नहीं है। 2026-27 में जनजातीय कार्य मंत्रालय ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के लिए 7,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, लेकिन इसी सरकारी वित्तीय विवरण में अभी तक 2,070 करोड़ रुपये की स्वीकृति दर्ज है। यह फर्क महत्वपूर्ण है। बजट में राशि रख देना, राशि स्वीकृत होना और उसका जमीन पर खर्च हो जाना- तीनों अलग-अलग चरण हैं। सरकारी डैशबोर्ड के अनुसार देश में 728 ईएमआरएस स्वीकृत हैं। इनमें 511 कार्यरत और 217 गैर-कार्यरत हैं। कार्यरत विद्यालयों में 1,71,229 विद्यार्थी दर्ज हैं और कुल स्टाफ की संख्या 14,263 है, जिसमें 9,673 शिक्षण और 4,590 गैर-शिक्षण कर्मचारी हैं। यानी विस्तार बड़ा है, लेकिन स्वीकृत और वास्तव में चल रहे स्कूलों के बीच अभी भी अंतर बना हुआ है।यह अंतर केवल इमारत खड़ी करने का मामला नहीं है। स्कूल शुरू होने के बाद उसका रखरखाव, शिक्षकों की उपलब्धता, छात्रावास, भोजन,



स्वास्थ्य, सुरक्षा, इंटरनेट, किताबें और बच्चों के लिए जरूरी सुविधाएं लगातार खर्च मांगती हैं। यही कारण है कि ईएमआरएस में मरम्मत और अनुरक्षण, छात्रावास अधीक्षकों, सीसीटीवी, इंटरनेट, अतिथि शिक्षकों और अन्य मानव संसाधन से जुड़े प्रावधानों पर भी ध्यान देना पड़ा है। आदिवासी आवासीय शिक्षा में केवल भवन बनाना पर्याप्त नहीं है; उसे लगातार और सुरक्षित ढंग से चलाने की व्यवस्था उतनी ही महत्वपूर्ण है।दूसरी ओर, आदिवासी बच्चों की शिक्षा केवल ईएमआरएस तक सीमित नहीं है। देश के अलग-अलग राज्यों में आश्रम स्कूल और अन्य आवासीय विद्यालय भी बड़ी संख्या में बच्चों को शिक्षा देते हैं। सरकारी दस्तावेजों में आश्रम स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं को लेकर कई समस्याएं दर्ज की गई हैं- शौचालयों और स्नानघरों की कमी, सुरक्षित पेयजल की समस्या, बिजली की अनियमित आपूर्ति, जर्जर ढांचा, छात्रावासों में भीड़ और कुछ जगहों पर डेस्क-बेंच जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव। कई जगह विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी, लेकिन उसके अनुरूप आधारभूत ढांचा नहीं बढ़ पाया।महाराष्ट्र का ताजा अनुभव इस समस्या को और गंभीर बनाता है। राज्य के जनजातीय विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार 2024-25 और 2025 - 26 में सरकारी तथा सहायता प्राप्त आश्रम स्कूलों से जुड़े 584 विद्यार्थियों की मृत्यु दर्ज की गई। इनमें 384 मौतें सरकारी आश्रम स्कूलों और 200 मौतें सहायता प्राप्त आश्रम स्कूलों में दर्ज हुईं। राज्य में 500 सरकारी और 513 सहायता प्राप्त आश्रम स्कूल हैं। मौतों के कारण अलग-अलग बताए गए हैं, जिनमें बीमारी, सिकलसेल, दुर्घटना, सर्पदंश और आत्महत्या शामिल हैं। गढ़चिरौली के एक सहायता प्राप्त आदिवासी आवासीय स्कूल के छात्रावास में अगस्त में सर्पदंश से तीन छात्राओं की मौत और तीन अन्य के घायल होने की घटना ने इस सवाल को और तीखा कर दिया। ऐसी घटनाओं के बाद जांच और कार्रवाई होती है, लेकिन असली कसौटी यह है कि अगली घटना रोकने के लिए व्यवस्था में कितना स्थायी बदलाव आता है।पैसा भी इस सवाल का एक हिस्सा है। 2026-27 में अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 3,176.48 करोड़ रुपये और प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 339.05 करोड़ रुपये का प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत अनुदान के लिए 1,542 करोड़ रुपये का आवंटन रखा गया है। %धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान% के लिए भी 2,013.46 करोड़ रुपये का प्रावधान है। ये रकम बताती है कि सरकारी योजनाओं का दायरा छोटा नहीं है, लेकिन सवाल यह है कि इनमें से कितना पैसा समय पर स्वीकृत हुआ, कितना जारी हुआ, कितना खर्च हुआ और उस खर्च से बच्चे की जिंदगी में क्या बदला?

आदिवासी शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौती शायद यही है कि यहां स्कूल सिर्फ पढ़ाई की जगह नहीं होती। दूरदराज के गांवों में रहने वाले बच्चे के लिए वही छात्रावास है, वही भोजन की व्यवस्था है, वही स्वास्थ्य की पहली निगरानी है और कई बार वही घर से बाहर सुरक्षित ठिकाना भी है। इसलिए किसी आदिवासी स्कूल की खराब छत केवल निर्माण की समस्या नहीं है। पानी की कमी सिर्फ एक सुविधा का अभाव नहीं है। शिक्षक की कमी केवल एक खाली पद नहीं है। इन सबका सीधा असर बच्चे की पढ़ाई, उपस्थिति, स्वास्थ्य और स्कूल में टिके रहने पर पड़ता है।

सरकार की योजनाओं का उद्देश्य स्पष्ट है - दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें आगे की पढ़ाई तथा रोजगार के अवसरों से जोड़ना। ईएमआरएस की परिकल्पना भी इसी उद्देश्य से की गई थी, लेकिन किसी योजना की सफलता का पैमाना उसका बजट या स्वीकृत स्कूलों की संख्या भर नहीं हो सकता। असली सवाल यह है कि जिस बच्चे के नाम पर पैसा जारी हुआ, उसके स्कूल में शिक्षक है या नहीं, पानी आता है या नहीं, शौचालय सुरक्षित है या नहीं, छात्रावास रहने योग्य है या नहीं और बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में मदद कितनी जल्दी पहुंचती है।दूरदराज के इलाकों से आने वाले बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचना ही आसान नहीं होता। ऐसे में स्कूल में पानी, शौचालय, शिक्षक या सुरक्षित छात्रावास जैसी बुनियादी चीजें न मिलें, तो मुश्किल और बढ़ जाती है। आदिवासी बच्चे देश की शिक्षा व्यवस्था के किनारे खड़े बच्चे नहीं हैं। वे उसी व्यवस्था का हिस्सा हैं। इसलिए उनके स्कूलों के लिए जारी हर रुपया केवल सरकारी बजट की एक पंक्ति नहीं, बल्कि किसी बच्चे के भविष्य में लगाया गया सार्वजनिक निवेश है.

इन 13 तरीकों से त्वचा होगी साफ और बेदाग



आप अपनी त्वचा को खूबसूरत बनाए रखने के लिए कई तरह के जतन करते हैं, लेकिन ये ब्लैकहेड्स ...जब तक त्वचा पर उभर आते हैं और सारी कोशिशों पर पानी फेर देते हैं। लेकिन ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं.. अजी ब्लैकहेड्स ही तो हैं। यह लीजिए हम बता देते हैं, आपको इस मुसीबत से निजात पाने के ढेरों उपाय। अब तो खुश ... चलिए जान लेते हैं ब्लैकहेड्स हटाने और त्वचा को साफ व बेदाग बनाने के के यह 13 उपाय -

1कॉर्नस्टार्च -

कॉर्नस्टार्च यानि मक्के का आटा और विनेगर को तीन अनुपात एक मात्रा में मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ब्लैकहेड्स वाले हिस्से पर लगाकर कम से कम 15 मिनट तक रखें। इसे आप आधा घंटा भी लगाकर रख सकते हैं। अब आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से धोकर साफ कर लें। इससे आपकी समस्या दूर हो सकती है।

2 दही -

दही सेहत के साथ सौंदर्य का भी खजाना है। किसी कटोरी में तीन चम्मच दही लेकर उसमें लगभग दो चम्मच ओटमील या जौ का आटा मिलाएं। अब इस मिश्रण में एक चम्मच जैतून का तेल और इतनी ही मात्रा में नींबू का रस डालकर पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे या ब्लैकहेड्स वाले स्थान पर लगाकर, पांच से सात मिनट के बाद ठंडे पानी से धो लें। फिर देखिए असर।

3 बादाम -

बादाम के पाउडर को जौ के आटे में मिलाकर गुलाबजल के साथ मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को प्रभावित स्थान पर उंगलियों के पोरों से लगाएं। लगभग 15 मिनट के बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इस प्रयोग से ब्लैकहेड्स की समस्या खत्म होती है।

4 चावल -

जी हां, चावल भी आपके चेहरे को बेदाग और खूबसूरत बनाने में मदद करता है। इसके लिए चावल को दूध में लगभग 5 घंटे तक भि?गोकर, इसे मिक्सर में पीसकर स्क्रब बना लें। अब इसे सामान्य स्क्रब की तरह ही प्रयोग करें। इससे ब्लैकहेड्स की समस्या समाप्त होगी।

5 टूथपेस्ट -

ब्लैकहेड्स प्रभावित स्थान पर टूथपेस्ट की एक पतली सी परत लगाएं और लगभग 20 से 25 मिनट तक इसे रहने दें। इसके बाद जब आप इस परत को हटाएंगे, तो त्वचा पर ब्लैकहेड्स या सफेद दानें आपको नजर नहीं आएंगे। इस प्रयोग को दो हफ्ते तक एक दिन छोड़कर करें। ऐसा करने से यह समस्या पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी।

6 नींबू -

नींबू में प्राकृतिक अम्ल होता है, जो त्वचा की गंदगी साफ करने में मदद करता है। इसके लिए एक नींबू का रस निकालकर उसमें एक चुटकी नमक मिलाएं और इस मिश्रण को ब्लैकहेड्स वाले स्थान पर लगाकर लगभग 20 मिनट तक रखें। इसके बाद इसे हल्के गर्म पानी से अच्छी तरह से धो लें। यह नुस्खा काफी कारगर है।

7 आलू -

आलू भी इस मामले में बड़े काम की चीज साबित होगा। कच्चे का आलू का टुकड़ा ब्लैकहेड प्रभावित स्थान पर अच्छी तरीके से रगड़ें। अब इसके रस को कुछ समय तक त्वचा पर रहने दें और 15 मिनट के बाद धो लें।

8 धनिया पत्ती -

हरा धनिया स्वाद बढ़ाने में जितना कारगर है, उतना ही सुंदरता के लिए भी। इसकी पत्तियों को चुटकी भर हल्की के साथ पीसकर पेस्ट बना लें। इस इस पेस्ट को ब्लैकहेड वाले स्थान पर लगाकर रखें और कुछ समय बाद धो लें। ब्लैकहेड तो कम होंगे ही, त्वचा में जान आ जाएगी।

9 ओटमील -

ओटमील को ग्राइंडर में पीसकर गुलाबजल डालकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखें और ठंडे पानी से धो लें। इससे भी त्वचा की गंदगी साफ हो जाएगी।

10 बेकिंग सोडा -

बेकिंग सोडा में जरा सा पानी डालकर पेस्ट बनाएं और इसे स्क्रब की तरह त्वचा पर लगाएं। इससे त्वचा के ब्लैकहेड और अन्य गंदगी समाप्त हो जाएगी। इसे 15 मिनट प्रयोग करने के बाद ठंडे पानी से धो लें।

11 मेथी की पत्तियां -

मेथी की पत्त?ियों को पीसकर चेहरे पर लगाने से भी त्वचा की अंदरूनी सफाई हो जाती है, और झाइयां, दाग आदि नहीं रहते। इसका प्रयोग प्रतिदिन रात के वक्त किया जा सकता है।

12 शहद -

ब्लैकहेड्स से निजात पाने के लिए आप शहद का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके लिए शहद की एक परत त्वचा पर लगाकर रखें और कुछ समय बाद इसे धो लें। इससे भी त्वचा के ब्लैकहेड और अन्य समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

13 टमाटर -

यह आपकी त्वचा को साफ करने के लिए बेहद कारगर चीज है। टमाटर को मैश करके इसका छिलका उतार दें और इसे प्रभावित स्थान पर कुछ घंटों के लिए लगाकर रखें और छोड़ दें। अब हल्के गर्म पानी से इसे धो लें। ऐसा करने से भी ब्लैकहेड और सफेद दानों की समस्या हल हो जाएगी।



खूबसूरती चाहिए तो पढ़ें 5

हम खुद को खूबसूरत दिखाने के लिए तरह-तरह के जतन करते हैं। कभी कपड़ों के जरिए, तो कभी मेकअप और तरह तरह के स्टाईल अपनाकर हम खूबसूरत दिखने में सफल तो हो जाते हैं, लेकिन यह खूबसूरती कुछ ही समय तक रहती है। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी बातें, जो बनाती है, आपको अंदर से खूबसूरत -

चेहरे पर उतरती है, तो आंतरिक सुंदरता बेहद आकर्षित करती है। मेडिटेशन आपके हाव भाव और स्वभाव से आपको खूबसूरत बनाता है। यह आंतरिक खूबसूरती कुछ समय के लिए नहीं बल्कि हमेशा आपके साथ रहती है। खूबसूरती चाहिए तो पढ़ें 5 टिप्स

योग-व्यायाम – योग, व्यायाम या एक्सरसाईज, कुछ भी कह लें, लेकिन यह आपके शरीर और आत्मा, दोनों को एक साथ खूबसूरत बनाता है। आपके अंदर सकारात्मक उर्जा का संचार करता है, जो आपके चेहरे पर साफ तौर पर दिखाई देता है। योग, मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से प्रभावित करता है।और व्यायाम शरीर में रक्तसंचार को सुव्यवस्थित करता है, जिससे आपके चेहरे का ग्लो बढ़ जाता है, और विकृतियां भी दूर हो जाती है।

आत्मविश्वास – खूबसूरत दिखने के लिए आप चाहें कुछ भी आजमाएं, चेहरे की चमक आत्मविश्वास से ही बढ़ती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात की पुष्टि की है। जब भी आप किसी कार्यक्रम या समारोह में शामिल होते हैं, या फिर कोई इंटरव्यू देने जाते हैं। हर जगह आत्मविश्वास से लबरेज चेहरा आकर्षित करता है।आपका यही आकर्षक आपको सबसे बेहतर बनाता है, जिसके कारण आपके आसपास के लोग खुद में आत्मविश्वास की कमी महसूस करने लगते हैं। कई बार आपका आत्मविश्वास आपके बिना कुछ किए ही आपको सफलता दिला देती है। प्रसन्न मन- मन की खुशी हमेशा चेहरे पर झलकती है, और चेहरे की चमक अपने आप बढ़ जाती है। हंसमुख चेहरा हर किसी के दिल में जगह बना लेता है, और हर कोई उसकी तरफ खुद-ब-खुद आकर्षित होने लगता है।किसी समारोह में तो यह खुशमिजाज चेहरा हर किसी के आकर्षण का केंद्र होता है। प्रसन्न मन का फायदा आपके चेहरे और स्वास्थ्य दोनों पर पड़ता है।प्रसन्न चेहरे की रौनक देखते ही बनती है।

मेडिटेशन – मेडिटेशन आपके मन को एकाग्र करने के साथ-साथ आपके मन को शांत करता है, जिसका असर आपके चेहरे पर प्रत्यक्ष तौर पर दिखाई देता है। मन की शांति जब, सौम्यता और धैर्य के साथ

फल व सब्जियां – भोजन में ताजे फल व मसालेदार पदार्थों के बजाए सात्विक भोजन एवं भरपूर मात्रा में फल और सब्जियों का सेवन आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। इसके इलावा इनमें पोषक तत्वों के साथ पानी की मात्रा भी होती है। हर तरह के फल का नियमानुसार सेवन अपके शरीर में विटामिन व मिनरल्स की कमी को दूर कर शरीर को स्वस्थ खता है, और चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाता है। सकारात्मक

नजरिया –

आप अपने जीवन में चाहें कितने भी सफल क्यों न हों, कितने भी बेहतर क्यों न हों, वह सफलता कोई मायने नहीं रखती, जब तक आप खुद सकारात्मक न हों। सकारात्मकता का आपके व्यक्तित्व पर उतना ही असर पड़ता है, जितना पोषक तत्वों का शरीर पर। सकारात्मकता आपको अंदर ये खूबसूरत बनाती है। आप अपने अंदर एक रौनक महसूस करेंगे, जो आपके चेहरे पर भी दिखाई देती है।

मैजिक मुल्तानी मिट्टी का

चेहरे की चमक को बरकरार रखने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग किसी भी उम्र में किया जा सकता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा में कसाव और रंगत में निखार आता है। यह स्किन के लिए बढ़िया टोनर और मॉश्चराइजर भी है। तो फिर क्यों न मुल्तानी मिट्टी से सौंदर्य निखार के कुछ नुस्खे आप भी आजमाइए।

रोमकूपों की सफाई हो जाए

मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग त्वचा के रोमकूपों की गंदगी की सफाई के लिए करना हो तो 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 4 छोटे चम्मच टमाटर का रस मिलाकर चेहरे पर प्रतिदिन लगाएं। रोमकूप साफ हो जाएंगे। इसे हाथों या अन्य जगह भी लगा सकती हैं।

झाइयां दूर हो जाए

चेहरे की झाइयां दूर करने के लिए थोड़ी अरहर की दाल का पाउडर, दही व पिसी हल्दी में थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर लगाएं। कुछ दिन के नियमित प्रयोग से झाइयां दूर हो जाएंगी।

मुंहासे गायब हो जाएं

मुंहासे सता रहे हों तो 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1 छोटा चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। मुंहासों वाली स्किन पर मुल्तानी मिट्टी का लेप सप्ताह में दो बार लगाएं। इससे त्वचा स्वस्थ व निर्मल हो जाएगी और मुंहासे भी गायब हो जाएंगे।

त्वचा हो जाए मुलायम

त्वचा को मुलायम व चमकदार बनाने के लिए 2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में चौथाई छोटा चम्मच, चंदन पाउडर, 2 छोटे चम्मच नारियल पानी, 2 छोटे चम्मच खीरे का रस मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं। सप्ताह में 1 बार लगाने से त्वचा साफ, सुंदर और आकर्षक हो जाएगी।

सांवलापन दूर हो जाए

त्वचा का सांवलापन कम करने के लिए 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी में चौथाई छोटा चम्मच ग्लिसरीन और 2 बड़े चम्मच गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट तक लगाएं। फिर साफ, गुनगुने पानी से धो डालें। सप्ताह में दो बार इस फेस पैक का प्रयोग करने से सांवली त्वचा में काफी हद तक निखार आ जाता है।



झुर्रियों से बचाव हो जाए

चेहरे को झुर्रियों से बचाने के लिए बादाम की 4-5 गिरियां पीस लें। इसमें 4 छोटे चम्मच खीरे का रस तथा 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बनाएं। महीने में चार बार इसका नियमित प्रयोग करें। कुछ दिनों बाद झुर्रियां कम हो जाएंगी।

केश मुलायम, रेशमी और घने हो जाएं

दो बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 1 बड़ा चम्मच दही घोलकर उसमें एक बड़ा चम्मच नीबू का रस मिलाएं। अच्छी तरह केशों की जड़ों में लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें। इससे केश मुलायम, रेशमी तथा घने होने के साथ अधिक समय तक काले भी रहेंगे।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



बेटे विहान और

कैटरीना कैफ

को साथ देख कैसा महसूस करते हैं विक्की कौशल, बोले- मन करता है इस पल....'



बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल इस वक्त अपना फादरहुड एंजॉय कर रहे हैं. कुछ महीने पहले ही एक्टर पिता बने हैं और अपने बेटे के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताने की कोशिश करते हैं. एक्टर ने बताया है कि पिता बनने के बाद जिदंगी को देखने का नजरिया काफी बदल गया है. उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में पैरेंटहुड को लेकर खुलकर बात की है और बताया है कि पेरेंट्स बनने के बाद विक्की और कैटरीना का क्या एक्सपीरियंस है.पिछले साल नवंबर में कैटरीना कैफ ने बेटे को जन्म दिया था. अब इतने महीने बाद विक्की ने पैरेंटहुड पर बाच की है और अपने इस अनुभव को जादुई बताया है. इसके अलावा एक्टर ने ये भी कहा है कि वो जब भी अपनी पत्नी कैटरीना और बेटे विहान को एक साथ देखते हैं तो काफी इमोशनल हो जाते हैं.

पैरेंटहुड पर क्या बोले विक्की ?

हरीत जावेरी ज्वेलर्स के यूट्यूब चैनल पर हुई बातचीत में विक्की ने कहा कि पिता बनने के बाद आए बदलावों को शब्दों में बयां करना आसान नहीं है, लेकिन इस अनुभव ने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया है. उन्होंने कहा कि यह इतना जादुई एहसास है कि इसे पूरी तरह शब्दों में समझा पाना मुश्किल है.विक्की ने बेटे विहान के छोटे-छोटे पड़ावों के बारे में भी बात की. उन्होंने बताया कि बच्चे की पहली किलकारी, उसकी हंसी, नए एक्सप्रेशन और अलग-अलग इशारों को देखना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा है. एक्टर ने कहा कि पिछले 10 महीनों में उन्हें कई ऐसे पल मिले हैं, जब उन्हें लगा कि यही जिंदगी की पूरी खुशी है और अब उन्हें और कुछ नहीं चाहिए.

कैटरीना और विहान को साथ देखकर ऐसा महसूस करते हैं विक्की

विक्की ने कैटरीना और अपने बेटे के साथ बिताए कुछ खास पलों का भी जिक्र किया. उन्होंने बताया कि जब वह अपनी पत्नी की खुशी और बेटे की हंसी को एक साथ देखते हैं, तो उनका मन करता है कि उस पल को वहीं रोक दें और उसे ज्यादा देर तक जीते रहें.उन्होंने कहा कि माता-पिता बनने के बाद इंसान पहले से कहीं ज्यादा संवेदनशील हो जाता है. इसके साथ ही जिम्मेदारी का एहसास भी बढ़ जाता है. विक्की के मुताबिक, अब उन्हें सिर्फ अपनी बातों पर नहीं, बल्कि अपने काम और व्यवहार पर भी ध्यान देना पड़ता है.

विक्की कौशल का वर्कफ्रंट

विक्की के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर जल्द ही रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आने वाले हैं. हाल ही में फिल्म से तीनों स्टार्स का पोस्टर भी रिलीज किया गया था, जिसे देख फैंस की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई थी.

सलमान खान ने 'वीकेंड के वार' में लगाई काजी की क्लास, कनिका को किया सपोर्ट, बोले- इन्होंने सॉरी कहा?



सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के घर में लगातार नए ड्रामे और विवाद देखने को मिल रहे हैं. हाल ही में माही विज, यंग और उदिति सिंह को पावर मिली थी. जिसके बाद रीति तिवारी के मिड-वीक एविक्शन से घर का माहौल काफी गरमा गया. अब इस पूरे हफ्ते के हंगामे का हिसाब करने सलमान खान 'वीकेंड का वार' में आ पहुंचे हैं. शो के नए प्रोमो में सलमान खान का गुस्सा सीधे काजी तौकीर पर फूटता नजर आया. कभी घर में काजी का पक्ष लेने वाले सलमान खान अब उनके रवैये से बेहद नाराज दिखे. मिड-वीक एविक्शन के झटके के बाद अब सलमान खान की इस फटकार ने घरवालों के होश उड़ा दिए हैं. 'वीकेंड का वार' के इस एपिसोड के बाद अब घर के समीकरण और गेम का रुख पूरी तरह बदलने की उम्मीद है. हालांकि, अब मेकर्स की तरफ से एक नया प्रोमो जारी किया गया है. जिसके कैप्शन में लिखा है कि- सलमान खान ने ली काजी की क्लास और कनिका की साइड. नए प्रोमो में क्या है, जानिए.

सलमान ने काजी को क्या कहा ?

दरअसल सलमान खान ने काजी को टोकते हुए कहा कि, जब किसी को आपके इंटेन्शन गलत लगे, तो आपको पीछे हट जाना चाहिए. लेकिन आप लगे रहे नॉन स्टॉप. सलमान ने काजी को फटकारते हुए कहा कि वो बिना रुके एक अटके हुए रिकॉर्ड की तरह एक ही बात पर अड़े रहते हैं. तो फिर उन्होंने कनिका से पूछा क्या इन्होंने सॉरी कहा आपको? तो उन्होंने कहा कि- बहुत हवा आ गई है इनमें.

तो काजी ने सफाई देने की कोशिश की. साथ ही कहा कि उन्होंने मजाक में सॉरी कहा था, तो कनिका ने साफ इन्कार कर दिया. सलमान ने खुलासा किया कि काजी ने यह तक कह दिया था कि मैं गोली खा लूंगा लेकिन सॉरी नहीं कहूंगा.

तभी सलमान ने काजी के इस रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि जीवन में किसी को 'मजाक-मजाक में' सॉरी बोलते हुए कभी नहीं सुना. दरअसल सलमान खान पर 'बायस्ड' होने और किसी खास कंटेस्टेंट का बचाव करने का आरोप लग चुका है. सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर सलमान पर शो में अपने पसंदीदा स्टार्स को 'स्पेशल ट्रीटमेंट' देने की बात कहते दिखे हैं. पर इस बार सलमान ने किसी को बोलने का मौका नहीं दिया. साथ ही काजी को बराबर समझाया.

फूट-फूटकर रोईं आम्रपाली दुबे, रीति की विदाई पर हंसने को लेकर माही से भिड़े गुल्लू, उदिती ने संभाली घर की कप्तानी



'बिग बॉस 20' के 27वें एपिसोड में एक तरफ जहां मिड-वीक एविक्शन के चलते माहौल बेहद भावुक हो गया, वहीं दूसरी तरफ कप्तानी की रेस ने घर के समीकरणों को पूरी तरह हिलाकर रख दिया. माही विज, उदिती सिंह और यंग डीएसए के आपसी फैसले के बाद सोशल मीडिया स्टार और भोजपुरी फिल्मस्टार मनोज तिवारी की बेटी रीती तिवारी का सफर हमेशा के लिए खत्म हो गया. रीती की विदाई के बाद बिग बॉस ने सभी कंटेस्टेंट्स को चेतावनी देते हुए कहा, जिससे भी लग रहा था यह गंभीर शो नहीं है, उम्मीद है अब उनकी गलतफहमी दूर हो गई होगी.

रीती तिवारी ने घर से निकलते वक्त वही ब्लैक ड्रेस पहनी, जो उन्होंने 'वीकेंड का वार' के लिए संभाल कर रखी थी. कनिका मान और आम्रपाली दुबे उन्हें गले लगाकर फूट-फूट कर रोने लगीं. बाहर जाने से पहले रीती ने कहा कि वे दिल में कोई बात नहीं रखतीं और एक आर्टिस्ट होने के नाते उनका मिजाज थोड़ा अलग है. घरवालों ने 'आए हाय हाय' के नारों के साथ रीती को विदा किया, लेकिन इसी विदाई के बीच भारी ड्रामा हो गया. दरअसल, जब रीती जा रही थीं, तब माही और उदिती किसी बात पर हंस रही थीं. इस पर कुशल तंवर उर्फ गुल्लू का गुस्सा फूट पड़ा.गुल्लू ने कहा,यार, अभी तो मत हंसो. इस पर माही ने भड़कते हुए जवाब दिया,हम किसी और बात पर हंस रहे थे, तू मुझ पर चढ़ मत.

फूट-फूट कर रोईं आम्रपाली

रीती के जाने के बाद आम्रपाली दुबे खुद को संभाल नहीं पा रही थीं. अरिश्फा खान, मैरी कॉम, आसिफ खान और यंग डीएसए ने उन्हें शांत कराने की कोशिश की. रोते हुए आम्रपाली ने कहा, मेरी ही गलती है, मुझे उसे नॉमिनेट नहीं करना चाहिए था.

उधर, माही ने अमन गांधी से कहा कि अब वे दोनों विरोधी गुट की 'हिट लिस्ट' में आ चुके हैं और उन्हें बेहद सतर्क रहना होगा. बाद में कनिका और गुल्लू ने यंग से बातचीत में घर में चल रहे 'डबल गेम' पर नाराजगी जताई. वहीं दूसरी ओर, माही और उदिती ने काजी तौकीर से चर्चा करते हुए कहा कि रीती का बर्ताव पिछले तीन दिनों में अचानक बदल गया था और वे काफी फेक लग रही थीं.

उदिती और लवप्रीत में तीखा क्लैश

उदिती सिंह ने स्काउट और यंग से बात करते हुए लवप्रीत गिल और अरिश्फा की अचानक बढ़ी नजदीकियों पर सवाल उठाए. उदिती ने गुल्लू और लवप्रीत के 'एंगल' को 'क्रिंज' करार दिया। रात होते-होते यह बात उदिती और लवप्रीत के बीच सीधी लड़ाई में बदल गई.

दृश्यम फेम एक्ट्रेस को हल्के में मत लेना, ऐसा है

श्रिया सरन

का घर और कार कलेक्शन



अजय देवगन की फिल्म दृश्यम-3 को बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत मिली है। इस फ्रेंचाइजी की बाकी फिल्मों की तरह ऑडियंस को इसकी भी कहानी और प्रेजेंटेशन पसंद आया है। फिल्म में फीमेल लीड रोल प्ले कर रहीं एक्ट्रेस श्रिया सरन के काम की काफी तारीफ हो रही है। श्रिया ने साल 2001 में तेलुगू फिल्म इष्टम से अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद वह संतोषम, शिवाजी - द बॉस और 'RRR' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। श्रिया ने एक लंबा सफर इंडस्ट्री में तय किया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनकी नेट वर्थ कितनी है? उनके पास कितनी और कौन-कौन सी गाड़ियां है और उनका घर कितने का है? चलिए जानते हैं।



एक फिल्म के लिए कितनी फीस ?

एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रिया सरन साउथ सिनेमा की सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने वाली एक्ट्रेसेज में गिनी जाती हैं। वह अपनी एक फिल्म के लिए 3 से 4 करोड़ रुपये तक चार्ज करती हैं। श्रिया सरन की फीस उनकी फिल्मों के सक्सेस रेट के आधार पर बढ़ती घटती भी है। वह अपने प्रोजेक्ट के मुताबिक एडवांस और पार्टशियल पेमेंट भी चार्ज करती हैं। श्रिया सरन फिल्म RRR और दृश्यम फ्रेंचाइजी के बाद साउथ ही नहीं बल्कि उत्तर भारत में भी एक मशहूर नाम बन चुकी हैं। श्रिया के पास कुल 4 आलीशन गाड़ियां हैं, जिनके बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे।

श्रिया की गाड़ियों का कलेक्शन

जानकारी के मुताबिक श्रिया सरन के पास बहुत आलीशान फीचर्स वाली कुछ गाड़िया हैं। श्रिया के पास जो सबसे सस्ती गाड़ी Audi A6 है। इस गाड़ी की कीमत करीब 65 लाख रुपये है। इसके बाद आती है श्रिया सरन की Mercedes Benz GLE, इसकी कीमत है 1 करोड़ रुपये। इसके बाद दृश्यम फेम एक्ट्रेस के पास 12 लाख रुपये की एक फोर्ड ईको स्पोर्ट है, जिसे वह आम कामों के लिए इस्तेमाल में लेती हैं। श्रिया की गाड़ियों की लिस्ट में आखिरी नाम BMW 7 का है, इसकी कीमत 1.7 करोड़ रुपये है। ये तो बात हुई गाड़ियों की, अब श्रिया के घर के बारे में आपको बताते हैं।

श्रिया का घर और उनकी नेट वर्थ

श्रिया अब मुंबई में एक बहुत खूबसूरत घर में रहती हैं। श्रिया सरन के पति आंद्रे कोश्चीव एक रशियन टेनिस प्लेयर और आंत्रप्रेन्योर हैं।

NEWS BOX

भारत बनाम ब्राजील: चेन्नई से भोपाल तक, ब्राजील समर्थकों ने कोलकाता में बिखेरा सांबा का रंग



नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोलकाता में ऐतिहासिक भारत-ब्राजील मैत्री फुटबॉल मुकाबले के लिए अलग-अलग क्षेत्रों और शहरों से लोग साल्ट लेक स्टेडियम पहुंचे। हालांकि 65,000 दर्शकों की क्षमता वाला यह प्रतिष्ठित स्टेडियम पूरी तरह नहीं भर सका, लेकिन बड़ी संख्या में प्रशंसक इस यादगार मौके का पूरा आनंद लेने के लिए उत्साहित दिखे।

चेन्नई से छह लोगों का एक परिवार, दिल्ली में रहने वाला एक ब्राजीलियाई नागरिक, दिल्ली से दो छोटे बच्चों के साथ आया एक परिवार और भोपाल से अपनी दो बेटियों के साथ पहुंचा एक परिवार—सभी के लिए यह मुकाबला खास था।

कोहाना अपने पति और चार बेटों के साथ स्टेडियम के पास की सड़क पर भारत और ब्राजील की जर्सियां खरीद रही थीं। पिता एक-एक करके जर्सियां देख रहे थे, जबकि चारों बेटे उन्हें अपने शरीर पर रखकर उनका आकार जांच रहे थे।

ओसाका की रहने वाली कोहाना ने मुस्कुराते हुए कहा, हम चेन्नई में रहते हैं, लेकिन मूल रूप से जापान से हैं। हमने पिछले सप्ताह टिकट खरीदे और सिर्फ इस मैच के लिए यहां आए हैं। आज मैं दोनों टीमों का समर्थन कर रही हूं, लेकिन मेरे बेटे ब्राजील की टीम के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

उन्होंने कहा, हम उरुग्वे के खिलाफ होने वाला मैच भी देखना चाहते थे, लेकिन अगले सप्ताह बच्चों का स्कूल शुरू है, इसलिए हम सिर्फ ब्राजील का मुकाबला देखेंगे। वह 6 अक्टूबर को होने वाले अगले फीफा मैत्री मैच का जिक्र कर रही थीं।

46 वर्षीय फेलिप भी नई दिल्ली से कोलकाता पहुंचे थे। वह पोर्टो एलेग्रे से आते हैं, जिसे महान ब्राजीलियाई फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो का जन्मस्थान माना जाता है। फेलिप राजधानी में पर्यटन क्षेत्र में काम करते हैं और उनका उद्देश्य अपने जैसे अधिक ब्राजीलियाई लोगों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित करना है।

भारत बनाम वेस्टइंडीज वनडे सीरीज ने रचा इतिहास, दर्ज हुई अब तक की सबसे तेज स्कोरिंग दर



नई दिल्ली (एजेंसी)।

- भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज शुरू से अंत तक रनों की बारिश से भरी रही। तीन मैचों की इस सीरीज ने कम से कम तीन मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सर्वाधिक स्कोरिंग रेट का नया रिकॉर्ड कायम किया।
- सीरीज में 7.43 रन प्रति ओवर की स्कोरिंग दर दर्ज की गई, जो तीन या उससे अधिक मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में इस प्रारूप की अब तक की सबसे तेज स्कोरिंग दर है।
- इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच 2015 में इंग्लैंड में खेली गई सीरीज के नाम था, जिसमें 7.15 रन प्रति ओवर की स्कोरिंग दर रही थी। भारत भी इस सूची में तीसरे स्थान पर है। भारत ने 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 7.00 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए थे। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच 2019 की सीरीज चौथे स्थान पर है।
- ये आंकड़े बताते हैं कि भारत-वेस्टइंडीज मुकाबला किस कदर आक्रामक बल्लेबाजी से भरा रहा।
- पहले वनडे में कुल 595 रन बने। वेस्टइंडीज ने सात विकेट पर 295 रन बनाए, जिसके जवाब में भारत ने महज 41.4 ओवर में लक्ष्य हासिल करते हुए दो विकेट पर 300 रन बना लिए।
- दूसरे वनडे में रन बनाने की रफ्तार और बढ़ गई। वेस्टइंडीज ने सात विकेट पर 405 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, लेकिन भारत ने 43.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और दो विकेट पर 406 रन बनाए। इस मुकाबले में कुल 811 रन बने।
- सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे में भी रनों का सिलसिला जारी रहा। भारत ने सात विकेट पर 351 रन बनाए, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में पांच विकेट खोकर 352 रन बनाकर रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा पूरा किया।

एशियाई खेल: पाकिस्तान के खिलाफ रोमांचक मुकाबले ने मलेशिया के खिलाफ हॉकी फाइनल के लिए भारत को कैसे तैयार किया

क्रेग फुल्टन ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ रोमांचक सेमीफाइनल में मिली जीत ने उनकी टीम को मलेशिया के खिलाफ एशियाई खेलों के फाइनल के लिए मानसिक रूप से तैयार होने में मदद की। नागोया में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा।



नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के अनुसार, पाकिस्तान के खिलाफ तनावपूर्ण सेमीफाइनल में मिली जीत ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम को आत्मविश्वास और लय दी, जिससे टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल में मलेशिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ भारत ने लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता और 2028 ओलंपिक के लिए भी अपना स्थान पक्का कर लिया।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल करते हुए आगे बढ़कर नेतृत्व किया और भारत ने फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर अपना एशियाई खेलों का खिताब बरकरार रखा। हालांकि, सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने भारत को कड़ी चुनौती दी थी। पाकिस्तान ने तीन गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया था। इसके बाद अभिषेक ने भारत को जीत दिलाने वाला गोल किया।

फुल्टन ने फाइनल के बाद कहा, हमने शानदार मैच खेला। हमें शायद उस सेमीफाइनल को जीतने की जरूरत थी ताकि हम इसी मानसिकता में आ सकें।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के बाद टीम ने ईमानदारी से समीक्षा की और इसके बाद अपना ध्यान खेल की गति बनाए रखने तथा बिना किसी डर के खेलने पर केंद्रित किया।फुल्टन ने कहा, हमने अच्छी तरह से समीक्षा की। हमने अपने प्रदर्शन को लेकर ईमानदारी बरती और मुझे लगता है कि उस मुकाबले का दबाव हम पर थोड़ा हावी हो गया था।

उन्होंने कहा, अगर हम चार-पांच गोल की बढ़त नहीं बनाते और फिर एक-दो गलतियां करते, तो पाकिस्तान का आत्मविश्वास बढ़ सकता था। वे अच्छा खेल सकते थे और गोल भी कर सकते थे।

उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि हमने वह मैच जीतने का रास्ता खोज लिया, क्योंकि यही अंतर साबित हुआ और मुझे लगता है कि इससे हमें इस फाइनल में काफी मदद मिली।

2026 में एशियाई खेल मुख्य लक्ष्य था

मलेशिया के खिलाफ फाइनल में जीत के साथ भारत ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया। यह उपलब्धि भारत के निराशाजनक विश्व कप अभियान के बाद आई है, जहां टीम आठवें स्थान पर रही थी।

फुल्टन ने कहा कि 2026 के लिए टीम का मुख्य लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना और ओलंपिक में जगह पक्की करना था।उन्होंने कहा, यही 2026 का मुख्य लक्ष्य था।

अगर हमने विश्व कप जीत भी लिया होता, तब भी हमें यहां आकर खेलना पड़ता। जाहिर तौर पर विश्व कप हमारे मुताबिक नहीं गया।

'यह सब फर्जी है': शोएब अख्तर ने मोहसिन नकवी की अगुवाई वाले PCB में भूमिका संभालने की खबरों को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

शोएब अख्तर ने पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता का पद संभालने से जुड़ी खबरों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि उनकी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) में कोई पद संभालने में रुचि नहीं है।इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में बाबर आजम की टीम को 0-3 से हार मिलने के बाद पाकिस्तान के कोचिंग और चयन व्यवस्था में बड़े बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं। संभावित बदलावों के बीच अख्तर को चयन समिति में महत्वपूर्ण भूमिका दिए जाने की खबरें सामने आई थीं।हालांकि, PTV Sports पर एक लाइव कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज ने इन दावों को खारिज कर दिया।एंकर ने अख्तर को उनके पहले के उस बयान की याद दिलाई, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी मां ने उन्हें PCB और पाकिस्तानी राजनीति से दूर रहने की सलाह दी थी। हालिया खबरों के बारे में पूछे जाने पर अख्तर ने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है और जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह अटकलें हैं। मैं अपने बयान पर कायम हूं और उस सलाह का पालन करूंगा।उन्होंने कहा, इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है। मुझे PCB में जाने में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है। मैं अपने बयान पर कायम हूं। मैं मुख्य चयनकर्ता की भूमिका संभालने



से जुड़ी ये सभी खबरें सुन रहा हूं। यह सब फर्जी है और इस तरह के दावों में कोई सच्चाई नहीं है। मैं सिर्फ पाकिस्तान क्रिकेट की बेहतरी चाहता हूं।

अख्तर ने यह भी कहा कि कथित नियुक्ति को लेकर उन्होंने मोहसिन नकवी की अगुवाई वाले PCB के साथ कोई बातचीत नहीं की है। पूर्व तेज गेंदबाज फिलहाल निजी यात्रा पर ह्यूस्टन में हैं।

'कई अन्य तरीकों से' योगदान दे सकता हूं

PCB के साथ किसी आधिकारिक पद की संभावना को खारिज करने के बावजूद अख्तर ने कहा कि वह पाकिस्तान क्रिकेट में योगदान देना चाहते हैं और इसके लिए उन्हें किसी आधिकारिक पद की जरूरत नहीं है।

अख्तर ने कहा, मैं पाकिस्तान क्रिकेट की सेवा करना चाहूंगा, लेकिन मुझे लगता है कि मैं यह कई अन्य तरीकों से कर सकता हूं।अख्तर ने पाकिस्तान के लिए 46 टेस्ट, 163 वनडे और 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह लंबे समय से क्रिकेट बोर्ड में किसी आधिकारिक भूमिका से दूर रहे हैं।इससे पहले आई खबरों में दावा किया गया था कि अख्तर ने PCB अध्यक्ष मोहसिन नकवी से मुलाकात कर राष्ट्रीय टीम और उसके प्रदर्शन में सुधार के तरीकों पर विस्तृत चर्चा की थी।

इन खबरों में यह भी कहा गया था कि पिछले कुछ महीनों में दोनों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है।

न इंस्टाग्राम, न छुट्टी का दिन: 17 साल की उम्र में कुमकुम मोहोड़ तीरंदाजी को ही अपना जुनून बनाए हुए हैं



नई दिल्ली (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया की ओ ये-जिन के खिलाफ फाइनल के दौरान एक समय कुमकुम अनिल मोहोड़ मुश्किल दौर से गुजर रही थीं। वह पिछड़ीं, फिर वापसी की, दोबारा पीछे हुईं और आखिरकार मुकाबले को शूट-ऑफ तक ले गईं। अब उनके सामने सिर्फ एक तीर, एक लक्ष्य और ऐसा इतिहास रचने का मौका था, जो एशियाई खेलों में किसी भारतीय रिकर्व तीरंदाज ने पहले नहीं किया था।

कुमकुम ने 10 का निशाना साधा और इसके साथ ही शनिवार, 3 अक्टूबर को आइची-नागोया में महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

अमरावती की 17 वर्षीय कुमकुम ने उस बाधा को पार किया, जिसके सामने भारतीय रिकर्व तीरंदाजी वर्षों से खड़ी थी। वह एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। इससे पहले वह भारत को ऐतिहासिक महिला टीम स्वर्ण दिलाने में मदद कर चुकी थीं और मिश्रित टीम में रजत पदक भी जीत चुकी थीं।

अपने पहले ही एशियाई खेलों में कुमकुम ने कोरियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ऐसा फाइनल खेला, जिसका फैसला आखिरी तीर पर हुआ। उनकी इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए व्यक्तिगत कोटा स्थान भी हासिल कर लिया।

इस उपलब्धि में एक तरह की निश्चितता नजर आती है। उनके कोच प्रफुल्ल डांगे वर्षों से उन्हें बताते आ रहे थे कि व्यक्तिगत पदक ही वह उपलब्धि है जिसे वह सबसे ज्यादा चाहते हैं। उनके मुताबिक टीम और मिश्रित टीम के पदक अच्छी उपलब्धियां हैं.

'विश्व कप के लिए यह अच्छा संकेत नहीं': वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में हार के बाद शुभमन गिल ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 2027 वनडे विश्व कप से पहले डेथ ओवरों की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण को बड़ी चिंता बताया है। भारत को शनिवार को मुल्लांपुर में तीन मैचों की सीरीज के तीसरे और अंतिम वनडे में वेस्टइंडीज के हाथों पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही वेस्टइंडीज ने सीरीज में एक मैच जीता और भारत की लगातार दो जीत के बाद स्कोर 1-2 कर दिया।

भारत का गेंदबाजी प्रदर्शन निराशाजनक रहा और टीम 352 रन का लक्ष्य बचाने में नाकाम रही। वेस्टइंडीज ने वनडे क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज पूरा किया। पूरी सीरीज में भारतीय गेंदबाजों की कमजोरियां सामने आईं और उन्होंने लगातार काफी रन लुटाए।

भारत ने दूसरे वनडे में 400 से अधिक रन गंवाए थे और शनिवार को तीसरे वनडे में 352 रन का लक्ष्य



भी नहीं बचा सका। क्षेत्ररक्षण में भी मेजबान टीम का प्रदर्शन खराब रहा और सीरीज में उसने करीब छह-सात कैच छोड़े।हार के बाद गिल ने कहा कि गेंदबाजी और कैच छोड़ना 2027 विश्व कप की तैयारी के लिहाज से अच्छे संकेत नहीं हैं।गिल ने कहा, कई चीजें हमारे पक्ष में रहीं, लेकिन कुछ क्षेत्रों में निश्चित रूप से सुधार की जरूरत है। हमारा क्षेत्ररक्षण बेहतर हो सकता है। हमने करीब छह-सात कैच छोड़े। विश्व कप से पहले यह अच्छा संकेत नहीं है।गिल ने डेथ ओवरों की गेंदबाजी पर भी काम करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों को अपनी रणनीति और उसके सही क्रियान्वयन को लेकर स्पष्ट होना होगा।शनिवार के तीसरे वनडे में भारतीय गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में काफी रन लुटाए और वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शाई होप ने 162 रन की शानदार पारी खेलकर मैच भारत की पकड़.

ऐतिहासिक मैत्री मैच में ब्राजील से 0-4 की हार के बावजूद कार्लो एंसेलोटी ने भारत की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने शनिवार, 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेले गए ऐतिहासिक मैत्री मैच में भारत की 0-4 की हार के बावजूद उसकी संगठित रक्षापंक्ति और जवाबी हमलों की रणनीति की तारीफ की।मैच की शुरुआत में ब्राजील को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन धीरे-धीरे टीम ने लय हासिल की और भारत को आसानी से हरा दिया।पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील ने उमस भरे मौसम में खेले गए मुकाबले में अपनी दूसरी श्रेणी की टीम को उतारा। एस्टेवाओ विलियन ने 28वें मिनट में ब्राजील के लिए पहला गोल किया। इसके बाद मेहमान टीम ने तीन और गोल दागते हुए 4-0 से जीत दर्ज की।हालांकि, भारतीय टीम ने एंसेलोटी का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने दबाव में भी भारतीय खिलाड़ियों के संगठित रहने और जवाबी हमलों के जरिए खेलने की सराहना की। एंसेलोटी के अनुसार, यही रणनीति विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज ब्राजील के खिलाफ भारत के लिए सबसे



प्रभावी मौका थी।

मैत्री मैच के बाद भारत के प्रदर्शन पर एंसेलोटी ने कहा, उन्होंने बचाव किया, वे संगठित थे और उन्होंने जवाबी हमलों के जरिए खेलने की कोशिश की। मुझे लगता है कि उन्होंने अच्छा मैच खेला।उन्होंने स्वीकार किया कि मैच की शुरुआत में ब्राजील को कुछ चिंताजनक पलों का सामना करना पड़ा, लेकिन कहा कि पहला गोल होने के बाद मुकाबले का रुख बदल गया।एंसेलोटी ने कहा, हमें पहला गोल करने में मुश्किल हुई, लेकिन जैसे ही एस्टेवाओ ने गोल किया, हमारे पास खेल को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने के अधिक मौके आने लगे।एस्टेवाओ के गोल के बाद पेड्रो ने 42वें मिनट में और सैमुअल लिनो ने 58वें तथा इंजरी टाइम के पांचवें मिनट में गोल किया, जिससे ब्राजील ने 4-0 की जीत पूरी की।एंसेलोटी ने कहा, हमने अच्छी तरह बचाव किया।

हम इससे बेहतर बचाव कर सकते थे। यह नई रक्षापंक्ति थी, जिसने पहले कभी एक साथ नहीं खेला था, इसलिए यह संभव है कि सब कुछ बिल्कुल सही नहीं रहा हो।

निराशाजनक विश्व कप के बाद ब्राजील की पुनर्निर्माण की कोशिश

इस साल की शुरुआत में फीफा विश्व कप में अंतिम-16 से बाहर होने के बाद ब्राजील एंसेलोटी के नेतृत्व में टीम के पुनर्निर्माण की कोशिश कर रहा है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कचरा प्रसंस्करण और बायोगैस संयंत्र की आधारशिला रखी; ओखला लैंडफिल का निरीक्षण किया।

दिल्ली में हर दिन लगभग 13,500 टन नगरपालिका कचरा उत्पन्न होता है, जबकि एमसीडी वर्तमान में शहर में उत्पन्न कचरे का करीब 60 प्रतिशत ही प्रसंस्करण करती है।

दिल्ली।(एजेंसी)

दिल्ली में ताजा कचरे के प्रसंस्करण की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) ओखला, सिंघोला और गाजीपुर में तीन नए कचरा प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित कर रहा है। इसके साथ ही गाजीपुर में प्रतिदिन 300 टन क्षमता वाला बायोगैस संयंत्र भी लगाया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को ओखला लैंडफिल साइट से वर्चुअल माध्यम से तीनों संयंत्रों और बायोगैस संयंत्र की आधारशिला रखी तथा स्थल का निरीक्षण भी किया।

दिल्ली में प्रतिदिन करीब 13,500 टन नगरपालिका कचरा उत्पन्न होता है, जबकि एमसीडी वर्तमान में शहर में पैदा होने वाले कचरे का लगभग 60 प्रतिशत ही प्रसंस्करण कर पाती है। तीन नए संयंत्रों से ताजा कचरे के प्रसंस्करण की क्षमता में प्रतिदिन 2,900 टन की वृद्धि होगी। इससे उत्पन्न होने वाले कचरे और वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्कृत किए जाने वाले कचरे के बीच का अंतर कम करने में मदद मिलेगी।

ओखला संयंत्र की क्षमता 1,400 टन प्रतिदिन होगी, जबकि सिंघोला और गाजीपुर संयंत्र क्रमशः 800 और 700 टन प्रतिदिन कचरे का प्रसंस्करण करेंगे।

एमसीडी के सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली में करीब 1.25 लाख मवेशी हैं, जिनसे प्रतिदिन लगभग 1,500 टन गोबर निकलता है। केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों ने एमसीडी को इस कचरे को नालों में जाने से रोकने और यमुना को प्रदूषित होने से बचाने के निर्देश दिए थे। इसी उद्देश्य से गाजीपुर में जैविक कचरे के लिए 300 टन प्रतिदिन क्षमता वाला बायोगैस संयंत्र स्थापित किया जा रहा है।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य दिल्ली में ताजा कचरे के प्रसंस्करण की व्यवस्था को मजबूत करना और रोजाना उत्पन्न होने वाले कचरे को मौजूदा लैंडफिल साइटों पर जाने से रोकना है। अधिकारियों के अनुसार, एमसीडी करीब 3,000 टन प्रतिदिन की संयुक्त क्षमता वाले दो और विकेंद्रीकृत ताजा कचरा प्रसंस्करण संयंत्र भी बना रही है, जो अगले वर्ष चालू हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि गोयला और घोघा में बायोगैस संयंत्र अगले दो महीनों में चालू होने की उम्मीद है। इस बीच, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को ओखला लैंडफिल साइट का निरीक्षण किया और कचरा निपटान, खाली कराई गई जमीन तथा नई प्रसंस्करण सुविधाओं की क्षमता की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को नए संयंत्रों को जल्द से जल्द और पूरी क्षमता के साथ चालू करने के निर्देश दिए।



ताजा कचरे के प्रसंस्करण की क्षमता बढ़ाने के साथ दिल्ली की तीन प्रमुख लैंडफिल साइटों से पुराने कचरे को हटाने का काम भी जारी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 18 महीनों में ओखला, भलस्वा और गाजीपुर लैंडफिल साइटों से 217.17 लाख मीट्रिक टन कचरा हटाया गया है, जिससे करीब 100 एकड़ जमीन खाली हुई है।

एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि ओखला और भलस्वा लैंडफिल साइटों को अगले तीन महीनों में साफ करने का लक्ष्य है, जबकि गाजीपुर लैंडफिल साइट को दिसंबर 2027 तक साफ करने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यकर्ताओं के जंतर-मंतर लौटने की कोशिश के बीच कड़ी सुरक्षा, करीब 150 हिरासत में

दिल्ली।(एजेंसी)

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चिंता जताने वाले प्रदर्शनकारियों को लगातार दूसरे दिन शनिवार को निर्धारित प्रदर्शन स्थल जंतर-मंतर पहुंचने से रोक दिया गया। करीब 150 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें एआईएसए की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण शामिल हैं। पुलिस की कार्रवाई पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि शनिवार के प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों के साथ



पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने के आरोप सामने आए हैं। गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में एक महिला पत्रकार द्वारा पुलिस अधिकारी के खिलाफ लगाए गए आरोप का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है और पहले भी पुलिस अधिकारियों द्वारा महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के वीडियो सामने आ चुके हैं। गांधी ने कहा कि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आती है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस मामले पर जवाब देना चाहिए। महिला पत्रकार द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद कि दिल्ली पुलिस उनकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज नहीं कर रही है, कई लोग कथित तौर पर संसद मार्ग थाने के बाहर धरने पर बैठ गए।

कैंपस का गेट बंद, प्रदर्शनकारियों के लिए खाना रोका गया; अंबेडकर विश्वविद्यालय के छात्रों का दावा—'गार्डों ने की हाथापाई'

दिल्ली।(एजेंसी)

डॉ. बी. आर. आंबेडकर विश्वविद्यालय के कश्मीरी गेट परिसर के बाहर शनिवार को छात्र हाथों में पैक किया हुआ खाना लेकर पहुंचे। यह खाना उन छात्रों और पीएचडी शोधार्थियों के लिए था, जो पेयजल, कक्षाओं, शिक्षकों की कमी, छात्र प्रतिनिधित्व और कैंपस के विभिन्न हिस्सों में प्रवेश सहित कई मांगों को लेकर पिछले छह दिनों से परिसर के अंदर अनिश्चितकालीन प्रदर्शन कर रहे हैं। गेट के बाहर मौजूद छात्रों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा



गार्डों ने उन्हें परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया, जिसके कारण वे प्रदर्शन कर रहे छात्रों तक खाना नहीं पहुंचा सके। जेंडर स्टडीज की एमए छात्रा ब्लेसी ने कहा कि कई छात्रों की कक्षाएं और परीक्षाएं होने के बावजूद उन्हें परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि शनिवार को छात्रों के लिए परिसर बंद कर दिया गया था। ब्लेसी के मुताबिक, गार्डों ने बाहर मौजूद छात्रों को प्रदर्शनकारियों तक खाना पहुंचाने से रोका और खाना लेने की कोशिश कर रहे कुछ छात्रों के साथ कथित तौर पर हाथापाई भी की। हालांकि, विश्वविद्यालय के जनसंपर्क कार्यालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि सामान्य समय के बाद गेट पर पहुंचाई जा रही वस्तुओं की सुरक्षा कारणों से सुरक्षाकर्मियों द्वारा जांच की जा रही थी।

पूर्व सीबीआई प्रमुख एम. नागेश्वर राव ने राजनीति में कदम रखा, सर्वजन सनातन पार्टी के अध्यक्ष बने

पूर्व सीबीआई निदेशक एम. नागेश्वर राव ने वाराणसी में सर्वजन सनातन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाल

दिल्ली।(एजेंसी)

पूर्व सीबीआई निदेशक एम. नागेश्वर राव ने सक्रिय राजनीति में कदम रखते हुए शनिवार को वाराणसी में सर्वजन सनातन पार्टी (एसएसपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया। राव ने काशी से अपनी नई राजनीतिक भूमिका की घोषणा की। सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और प्रशासन के क्षेत्र में करीब चार दशक के करियर के बाद यह उनके सार्वजनिक जीवन का नया चरण है। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, राव ने कहा कि सार्वजनिक प्रशासन में उनके अनुभव ने उन्हें यह विश्वास दिलाया है कि भारत का पुनर्निर्माण केवल प्रशासनिक सुधारों तक सीमित नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि देश को आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढ़ने के साथ-साथ अपनी सभ्यतागत जड़ों से भी जुड़ा रहना चाहिए।



पार्टी के चार प्रमुख स्तंभ

राव ने कहा कि एसएसपी के लिए 'सनातन' केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि सत्य, धर्म, कर्तव्य, करुणा, न्याय, आत्मसंयम, प्रकृति, परिवार, समाज और जनकल्याण पर आधारित जीवन-पद्धति है। पार्टी की घोषित विचारधारा चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है—शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सभ्यतागत पुनर्संपर्क। शिक्षा के क्षेत्र में पार्टी भारतीय सभ्यता, इतिहास और ज्ञान परंपराओं को आधुनिक तथा वैश्विक स्तर की शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पार्टी गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर देती है तथा आधुनिक चिकित्सा के साथ भारतीय स्वास्थ्य परंपराओं को जोड़ने की बात कही गई है। आजीविका के तहत युवाओं, किसानों, कारीगरों, श्रमिकों, छोटे कारोबारियों और उद्यमियों के लिए सम्मानजनक रोजगार एवं आजीविका के अवसर पैदा करने पर जोर दिया गया है।

दिल्ली की सहकारी आवास समितियों को इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश

दिल्ली।(एजेंसी)

दिल्ली के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (आरसीएस) कार्यालय ने शहर की सभी सहकारी समूह आवास समितियों (सीजीएचएस) को अपनी इमारतों और साझा सुविधाओं का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। प्रबंधन समितियों को इमारतों में संरचनात्मक और सुरक्षा संबंधी खामियों की पहचान करने तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जिम्मेदारी दी गई है।

एक अक्टूबर को जारी परिपत्र में दिल्ली सहकारी समिति नियम, 2007 के नियम 106 का हवाला देते हुए कहा गया है कि सोसायटी की संपत्ति की मरम्मत और रखरखाव, संबंधित सुविधाओं का नियमित निरीक्षण तथा उनकी मरम्मत एवं रखरखाव के लिए तत्काल कदम उठाना प्रबंधन समिति की जिम्मेदारी है। परिपत्र में सहकारी समूह आवास समितियों के सुरक्षा ऑडिट को लेकर सरकार द्वारा जारी निर्देशों का भी उल्लेख



किया गया है। सुरक्षा ऑडिट में योग्य संरचनात्मक इंजीनियरों के माध्यम से इमारतों की संरचनात्मक सुरक्षा की जांच, वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र या एनओसी का सत्यापन, अग्निशमन और सुरक्षा उपकरणों की कार्यक्षमता तथा लिफ्ट के वैध निरीक्षण या सुरक्षा प्रमाणपत्र की जांच और लिफ्टों के उचित रखरखाव को शामिल किया जा सकता है। आरसीएस ने सोसायटियों को इमारतों, साझा क्षेत्रों और सुविधाओं का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं संरचनात्मक क्षति, बड़ी दरारें, सीलन, रिसाव, छत या बाहरी दीवारों को नुकसान, सीढ़ियों में खराबी या ऐसी कोई अन्य स्थिति न हो, जिससे इमारत और उसमें रहने वाले लोगों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। परिपत्र में कहा गया है कि जीवन या संपत्ति के लिए तत्काल खतरा पैदा करने वाली किसी गंभीर संरचनात्मक या सुरक्षा संबंधी कमी की जानकारी सक्षम प्राधिकारी को दी जानी चाहिए और उचित एहतियाती कदम भी उठाए जाने चाहिए।

दिल्ली सरकार यमुना के 48 किलोमीटर लंबे हिस्से का स्थलाकृतिक और जलमग्न भू-भाग सर्वेक्षण कराएगी

दिल्ली सरकार पल्ला से जैतपुर तक यमुना के 48 किलोमीटर लंबे हिस्से का स्थलाकृतिक और जलमग्न भू-भाग (बाथिमेट्रिक) सर्वेक्षण कराएगी। इसका उद्देश्य नदी की तलहटी का मानचित्र तैयार करना और उन हिस्सों की पहचान करना है, जहां पानी का प्रवाह अवरुद्ध है।

दिल्ली।(एजेंसी)

दिल्ली सरकार हरियाणा-दिल्ली सीमा पर पल्ला से लेकर दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा पर जैतपुर तक यमुना के पूरे 48 किलोमीटर लंबे हिस्से का स्थलाकृतिक और बाथिमेट्रिक सर्वेक्षण कराएगी। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इसका उद्देश्य नदी की तलहटी का नक्शा तैयार करना, अवरुद्ध हिस्सों की पहचान करना और नदी के बहाव एवं मार्ग में हुए बदलावों का आकलन करना है।

बाथिमेट्रिक सर्वेक्षण में पानी की गहराई मापकर पानी के नीचे मौजूद भू-भाग की त्रि-आयामी संरचना और आकृति का नक्शा तैयार किया जाता है। इसे जमीन पर किए जाने वाले स्थलाकृतिक सर्वेक्षण का जलमग्न क्षेत्र वाला रूप माना जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान नदी के दोनों किनारों से 100 मीटर के दायरे में आने वाले तटबंधों, स्पर, नालों, द्वीपों, अतिक्रमण और घाटों का भी नक्शा तैयार किया जाएगा। इससे बाढ़ प्रबंधन के साथ-साथ प्रस्तावित रिवरफ्रंट विकास और नदी में नौका संचालन की योजनाओं में मदद मिलने की उम्मीद है।

सरकार बाढ़ प्रबंधन में सुधार के अलावा यमुना के किनारे रिवरफ्रंट विकास परियोजनाएं और नदी के जलमार्ग में नौका संचालन शुरू करने की योजना पर भी काम कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी इन परियोजनाओं की योजना बनाने में उपयोगी होगी।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण (आई एंड एफसी) विभाग ने 1 अक्टूबर को पल्ला से जैतपुर तक यमुना के दो प्रकार के सर्वेक्षण के लिए निविदाएं आमंत्रित की थीं। एक अधिकारी ने बताया कि बाथिमेट्रिक



सर्वेक्षण के तहत दिल्ली में यमुना के पूरे 48 किलोमीटर हिस्से को शामिल किया जाएगा और हर 250 मीटर के अंतराल पर नदी के क्रॉस-सेक्शन तैयार किए जाएंगे। स्थलाकृतिक सर्वेक्षण के माध्यम से नदी का कंटूर प्लान तैयार किया जाएगा तथा नदी के मार्ग और उसकी स्थलाकृति में हुए बदलावों की पहचान की जाएगी। दोनों सर्वेक्षणों में इलेक्ट्रॉनिक टोटल स्टेशन मशीन, इको साउंडर और मोटरबोट पर लगाए गए सोनार सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। स्थलाकृतिक सर्वेक्षण में किसी क्षेत्र की प्राकृतिक और मानव निर्मित विशेषताओं, उनकी ऊंचाई तथा भौतिक संरचना का आकलन कर विस्तृत नक्शा तैयार किया जाता है। वहीं, बाथिमेट्रिक सर्वेक्षण पानी की गहराई मापकर नदी के नीचे के भू-भाग का नक्शा तैयार करता है। इससे नदी की तलहटी की स्थिति समझने तथा भविष्य की जल निकासी और रिवरफ्रंट विकास परियोजनाओं की योजना बनाने में मदद मिल सकती है।

दिल्ली: कीर्ति नगर में हिट एंड रन की घटना में बुजुर्ग दंपति घायल, चालक गिरफ्तार

दिल्ली।(एजेंसी)

दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में शुक्रवार सुबह टहलने निकले एक बुजुर्ग दंपति को तेज रफ्तार एसयूवी ने टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, हादसे में 79 वर्षीय व्यक्ति और उनकी 71 वर्षीय पत्नी घायल हो गए। एसयूवी चला रही महिला की उम्र 49 वर्ष बताई गई है।

पुलिस के मुताबिक, टक्कर के बाद महिला चालक मौके से फरार हो गई। हालांकि, पुलिस ने हादसे के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से 'हिंदुस्तान टाइम्स' ने बताया कि हादसा सुबह करीब 9:30 बजे आर्य समाज मंदिर के पास हुआ। बुजुर्ग दंपति की पहचान 79 वर्षीय दयानंद तंगड़ा और उनकी पत्नी 71 वर्षीय कुसुम तंगड़ा के रूप में हुई है। बताया गया है कि दोनों सुबह की सैर से लौट रहे थे, तभी पीछे से आ रही एसयूवी ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गया।



सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में हुंडई क्रेटा को बाईं ओर मुड़ने के बाद अचानक दिशा बदलते हुए दंपति को पीछे से टक्कर मारते देखा जा सकता है। टक्कर के बाद बुजुर्ग व्यक्ति सड़क पर जा गिरे, जबकि उनकी पत्नी सड़क किनारे बिजली के खंभे के पास गिर गईं।

वीडियो में कथित तौर पर महिला चालक को कार से उतरकर घायल बुजुर्ग व्यक्ति की ओर जाते हुए देखा गया। कुछ देर बाद वह वापस अपनी कार में बैठकर वहां से चली गई। आसपास मौजूद अन्य लोगों ने बुजुर्ग दंपति की मदद के लिए दौड़कर उन्हें संभाला। पुलिस के अनुसार, महिला चालक टक्कर के बाद करीब 30 सेकंड तक मौके पर रुकी और फिर कार लेकर फरार हो गई।